E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 145 प्रयागराज, मंगलवार 22 सितम्बर, 2026 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये

मेलोनी बोलीं- इटली में बुर्का और नकाब पर लगाएंगे बैन, अभी दुनिया के 24 देशों में रोक

नई दिल्ली/रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर रोक लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि कैबिनेट जल्द इस पर फैसला लेगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या भी सीमित रखी जाएगी। मेलोनी ने यह ऐलान राजधानी रोम में अपनी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली के युवा संगठन के राष्ट्रीय महोत्सव में किया। प्रस्तावित नियमों के तहत विदेशी छात्रों के उन पेरेंट्स को इटैलियन भाषा सीखनी होगी, जिनके बच्चों को स्कूल में घुलने-मिलने में दिक्कत है। कानून बनने के लिए सरकार की मंजूरी के बाद संसद से 60 दिनों के भीतर पास कराना होगा। अभी फ्रांस और चीन समेत दुनिया के 24 देशों में बुर्का और नकाब पर बैन है। इटली की प्रधानमंत्री-जॉर्जिया मेलोनी:- जो भी इटली आता है और यहां अपना भविष्य बनाना

चाहता है, उसे हमारी भाषा सीखनी होगी। उसे हमारी संस्कृति समझनी होगी और हमारे नियमों का सम्मान करना होगा। लोगों को अपनाने का यही एक गंभीर तरीका है। इटली के स्कूलों में 9.3 लाख विदेशी छात्र:- रिसर्च इंस्टीट्यूट फोंडाजियोने आईएसएमयू के मुताबिक, इटली के स्कूलों में करीब 9.3 लाख विदेशी छात्र पढ़ते हैं। ये देश के स्कूलों में पढ़ने वाले कुल छात्रों का करीब 11.6फीसदी हैं। पिछले 10 साल में इटली में विदेशी नाबालिगों की संख्या करीब 4.5फीसदी घटी है। यूरोपीय अदालत ने बुर्का पर बैन को सही ठहराया-यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स फ्रांस और बेल्जियम में सार्वजनिक जगहों पर बुर्का-नकाब पर रोक को सही ठहरा चुका है। फ्रांस में 2014 और बेल्जियम में 2017 के फैसले में अदालत ने कहा था कि लोगों के बीच मेलजोल बनाए रखना ऐसी रोक का आधार हो सकता है।मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र ने इसका विरोध किया है। इटली की जीडीपी में विदेशी कर्मचारियों का 9फीसदी योगदान- दूसरी तरफ इटली की जीडीपी में विदेशी कर्मचारियों का करीब 9फीसदी योगदान है। खेती, निर्माण और बुजुर्गों की देखभाल जैसे क्षेत्रों में इनकी बड़ी भूमिका है। नए नियमों से विदेशी कर्मचारियों की संख्या घटी तो इन क्षेत्रों में मजदूरों की कमी हो सकती है।

जेलेंस्की बोले- अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में ट्रम्प से मुलाकात,यह रूस से युद्ध खत्म करने में ज़रूरी होगा, इससे बहुत कुछ बदल सकता है

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बात की है। दोनों नेताओं ने तय किया है कि वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा के सालाना सत्र के दौरान मुलाकात करेंगे। जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट किया कि रूस के साथ साढ़े चार साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए यह मुलाकात बहुत अहम है और इससे बहुत कुछ बदल सकता है। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से युद्ध जारी है। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। जेलेंस्की बोले- तनाव कम करने पर काम किया जाएगा- जेलेंस्की ने बताया कि इस

मुलाकात में युद्ध का तनाव कम करने के साथ-साथ ऊर्जा, भोजन और आम लोगों की सुरक्षा जैसे जरूरी मुद्दों पर विचार किया जाएगा। अमेरिका और यूक्रेन की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। अब हम हालात सुधारने के लिए कुछ बड़े और गंभीर कदम उठाने को पूरी तरह तैयार हैं। 4 साल से जारी है रूस-यूक्रेन जंग-रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है। रूस के पास यूक्रेन के करीब 20फीसदी इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ बातचीत कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अलास्का में मुलाकात की थी। यह करीब 80 साल में किसी रूसी नेता की पहली अलास्का यात्रा थी।

डोनबास को लेकर रूस और यूक्रेन के बीच फंसा है मामला-रूस पूरे डोनबास पर कब्जा चाहता है, लेकिन यूक्रेन अपनी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच शांति समझौते में यह सबसे बड़ी अड़चनों में से एक बना हुआ है। डोनबास को रूस बेहद अहम मानता है और इसे छोड़ना नहीं चाहता। पुतिन पहले ही कह चुके हैं कि शांति समझौते के लिए यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले इलाकों पर अपना दावा छोड़ना होगा। साथ ही उसे इन इलाकों को रूस का हिस्सा मानना होगा।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक, दावा- 28 आतंकी मारे गए,तालिबान बोला- एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत-देंगे माकूल जवाब

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा

किया कि हमले में 28 आतंकी मारे गए। वहीं, तालिबान सरकार ने कहा कि कुनार में 3 नागरिकों की मौत हुई और 4 लोग घायल हुए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि कुनार में एक घर पर हुए हमले में एक महिला और दो पुरुष मारे गए। पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में भी दो जगहों पर बमबारी हुई। यहां एक घर और दुकान को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के मारे जाने की जानकारी नहीं है। मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान इस हमले का उचित जवाब देगा। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी उसके खिलाफ हमले कर रहे हैं। तालिबान बोला- पाकिस्तान ने अमेरिकी बम से हमला किया- तालिबान सरकार ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक में अमेरिका में बना एमके82 बम इस्तेमाल किया। अफगान सरकार ने बम के गाइडेंस सिस्टम का एक टुकड़ा भी जारी किया है। अफगान सरकार के मुताबिक, यह टुकड़ा एमके82 जनरल-पर्पस बम का है और सोमवार सुबह हुए पाकिस्तानी हमले में इसका इस्तेमाल किया गया था। एमके82 अमेरिका में बना सामान्य इस्तेमाल वाला बम है। पाकिस्तान का आरोप- तालिबान टीटीपी को पनाह दे रहा- पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान का दावा है कि ऊऊइ के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में आतंकी हमले करते हैं।पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट में शुक्रवार को पुलिस परिसर के पास एक आत्मघाती हमला हुआ था। इसमें 16 लोगों की मौत हुई थी। इसके अगले दिन हंगू में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में 6 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए। पाकिस्तान इन हमलों के लिए अफगानिस्तान में मौजूद टीटीपी और उससे जुड़े समूहों को जिम्मेदार मानता है और उनके ठिकानों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को जायज ठहराता है। पाकिस्तान और टीटीपी में लड़ाई क्यों?2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए।

रूसी संसदीय चुनाव में पुतिन समर्थक पार्टी जीती,यूक्रेन युद्ध के बाद पहला चुनाव, जानिए रूसी राष्ट्रपति के लिए बहुमत क्यों जरूरी

मॉस्को। रूस के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की समर्थक यूनाइटेड रशिया पार्टी ने जीत हासिल कर ली है। शुरुआती नतीजों

में पार्टी ने 57.5फीसदी वोट के साथ अजेय बढ़त बना ली है। चुनाव के आधिकारिक नतीजे अभी आने बाकी हैं। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। पुतिन ने चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन से जोड़कर पेश किया था। 2021 के पिछले संसदीय चुनाव में यूनाइटेड रशिया ने स्टेट ड्यूमा की 450 में से 324 सीटें जीती थीं। स्टेट ड्यूमा रूस की संसद का निचला सदन है। इसमें कुल 450 सीटें हैं। इनमें 225 सीटें पार्टी को मिले वोट के आधार पर और 225 सीटें अलग-अलग क्षेत्रों में सीधे चुनाव से तय होती हैं। सवाल 1: स्टेट ड्यूमा क्या है? जवाब: स्टेट ड्यूमा रूस की संसद का निचला सदन है। इसमें 450 सांसद होते हैं। इसे आसान भाषा में भारत की लोकसभा जैसा समझ सकते हैं। सवाल 2: इसका सबसे बड़ा काम क्या है? जवाब: स्टेट ड्यूमा में देश के कानून बनाए जाते हैं और पुराने कानूनों में बदलाव किया जाता है। सांसद किसी कानून पर चर्चा करते हैं और फिर वोटिंग होती है। सवाल 3: क्या ड्यूमा सरकार से सवाल कर सकता है? जवाब: हां। सांसद सरकार और मंत्रियों से उनके काम और नीतियों पर सवाल पूछ सकते हैं। सरकार को ड्यूमा के सामने जवाब देना होता है। सवाल 4: क्या ड्यूमा का बजट में भी रोल है? जवाब: हां। सरकार का बजट ड्यूमा में पेश किया जाता है। सांसद इस पर चर्चा करते हैं और इसे मंजूरी देने के लिए वोट करते हैं। सवाल 5: पुतिन के लिए ड्यूमा क्यों अहम है? जवाब: राष्ट्रपति पुतिन की सरकार को कई कानूनों और नीतियों के लिए संसद की जरूरत होती है। ड्यूमा में पुतिन समर्थक दलों का बहुमत होने से सरकार के लिए अपने प्रस्ताव पास कराना आसान हो जाता है। यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी चुनाव से बाहर-रूस की युद्ध-विरोधी पार्टी याब्लोको को इस बार पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। हालांकि, पार्टी के कुछ नेताओं को अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति मिली ।

आगे की ख़बर पेज संख्या 07 पर..

पाक मंत्री बोले- पेट्रोल 1000 रुपए तक पहुंच सकता है, अब तक 50फीसदी महंगा हुआ, 389 रुपए लीटर कीमत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 1000 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने रविवार को कहा कि अगर देश में पेट्रोल की कमी हुई

तो कीमत और बढ़ सकती है। मंत्री के मुताबिक, पाकिस्तान में पेट्रोल अब तक करीब 50फीसदी महंगा हो चुका है। फिलहाल पेट्रोल 389 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर और डीजल 424 रुपए प्रति लीटर है। मिडिल ईस्ट में लड़ाई के चलते दुनिया में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। जंग 28 फरवरी को शुरू हुई थी। इस दिन पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 258.17 रुपए थी। इसमें अब तक 131 रुपए का इजाफा हो चुका है। यह करीब 51 फीसदी है। बाइक और छोटे वाहनों को सब्सिडी दे रही सरकार-बढ़ती कीमतों के बीच पाकिस्तान सरकार ने बाइक, रिक्शा और 800 सीसी तक की कारों के लिए पेट्रोल पर सब्सिडी योजना शुरू की है। इसमें पेट्रोल पर 100 रुपए प्रति लीटर तक की सब्सिडी दी जा रही है। हर पात्र व्यक्ति को महीने में 4 टोकन मिलेंगे। हर टोकन पर 500 रुपए की सब्सिडी मिलेगी। योजना में 1 जनवरी 2006 से रजिस्टर्ड मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं। सरकार के मुताबिक, योजना में 17.5 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। करीब 15 लाख टोकन जारी हो चुके हैं और 6.80 लाख से ज्यादा टोकन इस्तेमाल किए जा चुके हैं। अक्टूबर तक पाकिस्तान में मिल सकता है घरेलू तेल-पाकिस्तान सरकार देश में नए तेल भंडार खोजने पर काम कर रही है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक के मुताबिक, तेल के कुओं पर काम शुरू हो चुका है और अक्टूबर तक कच्चा तेल मिलने की उम्मीद है। सरकार ने तेल और गैस की खोज के लिए नए ब्लॉक भी कंपनियों को दिए हैं। इसका मकसद देश में घरेलू उत्पादन बढ़ाना और विदेशों से तेल खरीदने पर खर्च कम करना है। अगर नए कुओं से

व्यावसायिक स्तर पर तेल निकलता है, तो पाकिस्तान को अपनी जरूरत का कुछ हिस्सा देश में ही मिल सकेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ने पर देश पर पड़ने वाला दबाव भी कम हो सकता है। बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल 17फीसदी तक महंगा-बांग्लादेश सरकार ने ईंधन की कीमतों में 17.4फीसदी तक बढ़ोतरी की है। नई कीमतें सोमवार, 21 सितंबर से लागू हो गई हैं। इस बढ़ोतरी से बांग्लादेश में ट्रांसपोर्ट और सामान बनाने की लागत बढ़ सकती है। इसका असर पहले से महंगाई और बिजली-गैस की कमी से जूझ रहे लोगों और कारोबार पर पड़ने की आशंका है। सरकार के नए रेट के मुताबिक, डीजल की कीमत 115 से बढ़कर 135 टका प्रति लीटर हो गई है। ऑक्टेन की कीमत 145 से बढ़कर 165 टका, पेट्रोल 140 से बढ़कर 160 टका और केरोसिन 135 से बढ़कर 155 टका प्रति लीटर हो गया है। बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, मार्च 2026 से अंतरराष्ट्रीय ईंधन की कीमतें दोगुने से ज्यादा बढ़ चुकी हैं। सरकार का कहना है कि इन बढ़ती लागतों का असर सरकारी तेल कंपनी बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसी) पर भी पड़ा है।

इटली में बुर्का और नकाब पर लगेगा बैन,अभी दुनिया के 24 देशों में रोक-स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या भी कम होगी

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर रोक लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि इस संबंध में कैबिनेट जल्द प्रस्ताव पर फैसला लेगी। मेलोनी ने कहा कि स्कूलों में चेहरा ढका नहीं होना चाहिए और किसी पर परंपरा के नाम पर चेहरा ढकने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा स्कूलों में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित रखने की भी योजना है। प्रस्तावित नियमों के तहत उन विदेशी छात्रों के माता-पिता को इटैलियन भाषा सीखनी होगी, जिनके बच्चों को स्कूल में घुलने-मिलने और इटली की शिक्षा व्यवस्था में शामिल होने में दिक्कत हो रही है।बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने वाला इटली पहला देश नहीं होगा। फ्रांस और चीन समेत दुनिया के करीब 24 देशों में सार्वजनिक जगहों पर चेहरे को पूरी तरह ढकने वाले कपड़ों पर अलग-अलग तरह की पाबंदियां लागू हैं। इटली में 50 साल से चेहरा ढकने पर प्रतिबंध-इटली में चेहरा ढकने को लेकर 1975 से कानून है। इसके तहत सार्वजनिक जगहों पर इस तरह चेहरा ढकना मना है, जिससे किसी व्यक्ति की पहचान न हो सके। हालांकि, कुछ खास परिस्थितियों में छूट दी जा सकती है। 2008 के एक कोर्ट के

फैसले में कहा गया था कि अगर कोई व्यक्ति धार्मिक या सांस्कृतिक वजह से चेहरा ढकता है, तो सिर्फ इसी वजह से उसे कानून तोड़ने वाला नहीं माना जाएगा। मामले की परिस्थितियों को भी देखा जाएगा। अब मेलोनी सरकार स्कूलों में बुर्का और नकाब पर अलग से रोक लगाने की तैयारी कर रही है। सरकार की मंजूरी के बाद प्रस्ताव को कानून बनाने के लिए संसद में भेजा जाएगा। इसे 60 दिनों के भीतर संसद से मंजूरी मिलना जरूरी होगा। इटली में मेलोनी से भी ज्यादा दक्षिणपंथी नेता की एंट्री-इटली में अगले साल 2027 में आम चुनाव होने हैं। इमिग्रेशन यानी दूसरे देशों से आने वाले लोगों का मुद्दा वहां पहले से ही बड़ा राजनीतिक मुद्दा है। मेलोनी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली (एफडीआई) को अब नेशनल फ्यूचर (एफएन) से चुनौती मिल रही है। यह पार्टी मेलोनी की पार्टी से भी ज्यादा सख्त इमिग्रेशन नीति की मांग करती है।

एफएन ने इसी साल जुलाई में स्कूलों में बुर्का और नकाब पर रोक लगाने की मांग की थी। यानी जिस मुद्दे पर अब मेलोनी सरकार कानून लाने जा रही है, उस पर उनसे भी ज्यादा सख्त रुख रखने वाली पार्टी पहले ही दबाव बना रही थी। यूरोपीय अदालत ने बुर्का पर बैन को सही ठहराया-यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स फ्रांस और बेल्जियम में सार्वजनिक जगहों पर बुर्का-नकाब पर रोक को सही ठहरा चुका है। फ्रांस में 2014 और बेल्जियम में 2017 के फैसले में अदालत ने कहा था कि लोगों के बीच मेलजोल बनाए रखना ऐसी रोक का आधार हो सकता है।

रूस में चुनाव के आखिरी दिन 1600 ड्रोन से हमला, यूक्रेन ने ऑयल रिफाइनरी को भी डैमेज किया, मॉस्को में 2 की मौत

मॉस्को। रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को मॉस्को और आसपास के इलाकों में यूक्रेन ने 1600 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। एक ड्रोन के 21 मंजिला अपार्टमेंट से टकराने के बाद आग लग गई। इसके बाद करीब 400 लोगों को इमारत से बाहर निकाला गया। इनमें 70 बच्चे भी शामिल थे। रूस में यूक्रेन जंग के बाद पहला संसदीय चुनाव-रूस में शुक्रवार से संसदीय चुनाव के लिए मतदान चल रहा है। यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने के हमले के बाद पहला संसदीय चुनाव है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस चुनाव को यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के लिए जनता के समर्थन की परीक्षा के तौर पर पेश किया है। चुनाव के नतीजों को रूस पुतिन की नीतियों और यूक्रेन युद्ध के समर्थन के तौर पर पेश कर सकता है। भारतीय समयानुसार रविवार रात 11:30 बजे से शुरुआती नतीजे आने की उम्मीद है। चुनाव के पूरे नतीजे सोमवार तक सामने आ सकते हैं। रूस ने चुनाव में यूक्रेन के दखल का आरोप लगाया-रूसी अधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया में यूक्रेन के दखल का आरोप लगाया है। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, मॉस्को की ऑनलाइन वोटिंग सिस्टम पर साइबर हमला हुआ। हालांकि, हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ होने की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी यूक्रेन पर चुनाव में बाधा डालने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने रूसी नियंत्रण वाले जपोरिज्जिया इलाके में एक चुनाव अधिकारी के घर पर हुए हमले का जिक्र किया। पुतिन के मुताबिक, हमले में अधिकारी एलेना अस्तानिना की मौत हुई। हालांकि रॉयटर्स के मुताबिक इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी। ज्यादातर युद्ध विरोधी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ पाए-रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस में ज्यादातर ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने नहीं दिया गया, जो यूक्रेन युद्ध के खिलाफ हैं। याब्लोको पार्टी के कुछ उम्मीदवार ही चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी के नेताओं का कहना है कि युद्ध के खिलाफ बोलने पर उन्हें सरकार की कार्रवाई का डर है। रूस में सेना के खिलाफ बोलने या सरकार की नजर में झूठी खबर फैलाने पर जेल हो सकती है।

याब्लोको पार्टी के नेता निकोलाई रिबाकोव ने विरोध जताया। उन्होंने बैलेट पर अपनी पार्टी का नाम लिख दिया। चुनाव का नतीजा राष्ट्रपति पुतिन के लिए अहम-रॉयटर्स के मुताबिक, रूस की सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी के संसद में अपना दबदबा बनाए रखने की उम्मीद है।

आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

अन्य पिछड़ा वर्ग के जाति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया एवं क्रीमीलेयर निर्धारण को लेकर कार्यशाला आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के जाति प्रमाण-पत्र जारी करने की व्यवस्था तथा क्रीमीलेयर निर्धारण के संबंध में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आज कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर आयुक्त (प्रशासन) राधेश्याम ने की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सहदेव मिश्र एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ उपस्थित रहे। उप निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण लखनऊ मण्डल लखनऊ अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य जाति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों एवं कार्मिकों को अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए क्रीमीलेयर निर्धारण के मानकों, शासनादेशों तथा प्रमाण-पत्र जारी करने की निर्धारित व्यवस्था के संबंध में स्पष्ट एवं व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराना रहा।अपर आयुक्त (प्रशासन) ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों का भली-भांति अध्ययन करते हुए जाति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया में उनका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्तियों को प्रमाण-पत्र जारी करने में शासन की निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाए तथा प्रकरणों के निस्तारण में पूरी पारदर्शिता एवं सावधानी बरती जाए। कार्यशाला में क्रीमीलेयर निर्धारण से संबंधित विभिन्न प्रावधानों, पात्रता के मानकों तथा जाति प्रमाण-पत्र जारी किए जाने की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही अधिकारियों एवं कार्मिकों की जिज्ञासाओं एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।इस अवसर पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी पीयूष चन्द्र राय सहित समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी/कार्मिक उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित, स्वगणना 16 से 20 नवंबर तक, 1 दिसंबर से 4 जनवरी तक चलेगा जनगणना कार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मास्टर ट्रेनर आशुतोष तिवारी एवं जिला प्रभारी जनगणना काजल रानी ने जनगणना के द्वितीय चरण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अधिकारियों को विस्तार से प्रशिक्षण दिया।इस दौरान जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की कार्ययोजना एवं रणनीति, आवश्यक कार्मिकों की उपलब्धता, कार्मिकों के प्रशिक्षण, कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा स्वगणना के व्यापक प्रचार-प्रसार सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत स्वगणना का कार्य 16 नवंबर से 20 नवंबर 2026 तक कराया जाएगा। इसके उपरांत मुख्य जनगणना कार्य 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक चलेगा। प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके दायित्वों से अवगत कराते हुए जनगणना कार्य को व्यवस्थित, समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने की रणनीति तैयार की गई।

अधिकारियों ने जनगणना-2027 के द्वितीय चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने पर जोर दिया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी/उप जिला जनगणना अधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी, चार्ज अधिकारी, डीएलसीसीसी के सदस्य तथा खंड शिक्षा अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

जिला कारागार, रायबरेली में महिला बंदियों के लिए मूंज शिल्पकला कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। एनटीपीसी ऊंचाहार द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत जिला कारागार, रायबरेली में महिला बंदियों के लिए 'मूंज शिल्पकला कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला बंदियों को पारंपरिक मूंज शिल्पकला में कौशल प्रदान कर उन्हें रचनात्मक एवं आजीविका उन्मुख गतिविधियों से जोड़ना है।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका रहीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने महिला बंदियों को कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में अवसर प्रदान करने के लिए एनटीपीसी ऊंचाहार की इस पहल की सराहना की।इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख एनटीपीसी ऊंचाहार बिश्व मोहन सिंह ने अपने संबोधन में महिला बंदियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कौशल विकास न केवल आत्मविश्वास बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि भविष्य में आत्मनिर्भरता एवं सम्मानजनक आजीविका की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा सीखी गई कला को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मूंज शिल्पकला प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को मूंज से विभिन्न उपयोगी एवं सजावटी उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह पहल महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एनटीपीसी ऊंचाहार के सीएसआर प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत एनटीपीसी ऊंचाहार के नव नियुक्त प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा एक प्रेरक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से स्वच्छता, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक जिम्मेदारी तथा स्वच्छ परिवेश के महत्व का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा महिला बंदियों को भोजन पैकेट एवं कंबल भी वितरित किए गए। इस अवसर पर अधिकारियों ने प्रतिभागियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।एनटीपीसी ऊंचाहार अपने सीएसआर प्रयासों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन के क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला तथा अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एनटीपीसी ऊंचाहार पंकज कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-45 सदरपुर गांव में नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्षा शालिनी सिंह ने किया दौरा, करोड़ों की लागत से बने बारात घर की बदहाली पर उठे सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नोएडा। नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्षा शालिनी सिंह ने आज नोएडा के सेक्टर-45 स्थित सदरपुर में एनसीएफ आपके द्वार कार्यक्रम में गांव का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं एवं गांव में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का मौके पर निरीक्षण किया। दौरे के दौरान ग्रामीणों ने गांव में साफ-सफाई, सड़क, जल निकासी, बिजली, पानी एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी कई समस्याएं शालिनी सिंह के समक्ष रखीं। शालिनी सिंह ने स्वयं गांव में घूमकर मौके की स्थिति का जायजा लिया। करोड़ों की लागत से बना बारात घर, फिर भी मूलभूत सुविधाओं का अभावः-दौरे के दौरान सदरपुर गांव में बने बारात घर की स्थिति प्रमुख चिंता का विषय बनकर सामने आई। ग्रामीणों के अनुसार इस बारात घर के निर्माण में करोड़ों रुपये की लागत आई है, लेकिन वर्तमान में यह उचित उपयोग एवं रखरखाव के अभाव में बदहाल स्थिति में दिखाई दिया। दौरे के दौरान बारात घर में पानी का कनेक्शन और बिजली का कनेक्शन उपलब्ध नहीं मिला। इसके अलावा परिसर में साफ-सफाई एवं रखरखाव की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। ग्रामीणों ने बताया कि बारात घर का निर्माण गांववासियों के सामाजिक एवं वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए किया गया था, लेकिन आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के अभाव में इसका अपेक्षित लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। शालिनी सिंह ने मौके पर बारात घर की स्थिति का दौरा करते हुए कहा कि जनता के पैसों से तैयार की गई सार्वजनिक संपत्ति का बेहतर रखरखाव और उसका उपयोग जनता के हित में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बारात घर में बिजली, पानी, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर इसे ग्रामीणों के लिए उपयोगी बनाया जाना चाहिए।

ग्रामीणों ने लिखित शिकायत सौंपकर मांगा समाधानः-ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर नोएडा सिटीजन फोरम को लिखित शिकायत भी सौंपी और संबंधित विभागों के माध्यम से समस्याओं के समाधान की मांग की। शालिनी सिंह ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा और बारात घर सहित गांव की अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक स्तर पर प्रयास किया जाएगा। इस दौरान गांव के वरिष्ठ एवं सम्मानित व्यक्तियों सतीश चौहान, सत्येश्वर राय, महेश चौहान, घनश्याम चौहान, बॉबी चौहान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को सामने रखते हुए नोएडा सिटीजन फोरम से उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा भव्य श्रीमद्भागवत कथा हेतू भूमि पूजन का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा धर्म, संस्कार एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के पावन उद्देश्य से मोक्षदायिनी श्रीमद्भागवत कथा अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह दिव्य आयोजन 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2026 तक सेक्टर-33, शिल्पहाट के पास स्थित हेलीपैड ग्राउंड, नोएडा में आयोजित होगा। कथा आयोजन के शुभारंभ से पूर्व आज 21 सितंबर 2026 को सायं 3:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष श्री संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से समाज में धर्म, संस्कार, सेवा, समर्पण एवं सनातन जीवन-मूल्यों के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नोएडा के लिए आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस दिव्य आयोजन में प्रख्यात कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का अमृतपान कराया जाएगा। आयोजन के प्रत्येक दिवस पर पूज्य संत-प्रवरों के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वचनों से श्रद्धालुजन लाभान्वित होंगे।आयोजन में वात्सल्य मूर्ति ऋतंभरा दीदी जी, श्री महामंडलेश्वर सतुआ महाराज जी, जगद्गुरु श्री सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज जी, बागेश्वर पीठाधीश्वर श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी, श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज एवं भक्त शिरोमणि श्री नंदू भैया जी की उपस्थिति अपेक्षित है। भूमि पूजन समारोह में नगर के गणमान्य नागरिक एवं परिषद के शाखा सरंक्षक प्रताप मेहता, डॉ. टीएन गोविल, सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक , विकास अग्रवाल ,संयोजिका महिला सह भागिता सुनीता मित्तल , सतनारायण गोयल, एवं महेश बाबू गुप्ता , राकेश कात्याल गोपाल अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, देवेन्द्र गंगल, सुरेंद्र गर्ग, नरेश गर्ग, अल्पेश गर्ग, राधा किशन गर्ग, अरविंद कुमार , मनीष गुप्ता, दीपक गुप्ता , संतोष बंसल कथा के मुख्य यजमान श्रीमती रीना गुप्ता,डॉ. वी के गुप्ता , डॉ. अंकित कुमार गुप्ता , डॉ. अर्पित गुप्ता सहपरिवार , कथा मुख्य संयोजक एन के अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, रामरतन शर्मा , प्रकल्प संयोजक, अजय अग्रवाल , अनुज मंगल, प्रदीप अग्रवाल , मुकुल वाजपेयी, राजेंद्र गर्ग, विकास अग्रवाल, डीके मित्तल से. 19 , डीके मित्तल तथा अन्य परिषद पदाधिकारी तथा परिषद के अधिकांश सदस्य उपस्थित रहे ।

बीआरसी जसरा में सम्पन्न हुआ एफ एल एन प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। ब्लाक संसाधन केंद्र जसरा में दिनांक 10/08/2026 से शुरू हुआ पांच दिवसीय एफ एल एन प्रशिक्षण का आज 21/09/2026 को 10 बैच के बाद समापन खंड शिक्षा अधिकारी के संबोधन के साथ हो गया प्रशिक्षण की शुरुआत 10/08/2026 से खंड शिक्षा अधिकारी जसरा श्री अखिलेश वर्मा द्वारा मां सरस्वती के प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर के की गई थी, खंड शिक्षा अधिकारी जसरा द्वारा बताया गया कि यह प्रशिक्षण प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षक एवं शिक्षा मित्रों के लिए अनिवार्य है, प्रत्येक चरण में दो कक्ष में पचास- पचास की संख्या में पांच चरणों में दस बैच में सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण नई शिक्षा नीति 2020 व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा 2023 के अनुसार एनसीआरटी द्वारा विकसित व उत्तर प्रदेश के अनुरूप समायोजित पुस्तक वीणा व गणित मेला की समझ विकसित करने व कक्षा शिक्षण में शिक्षक संदर्शिका का प्रभावी उपयोग करते हुए कक्षा के सभी बच्चों को निपुण बनाने के प्रभावी तरीकों से शिक्षकों को परिचित कराना है।

प्रशिक्षण के संदर्भदाता जितेन्द्र मिश्र, एआरपी-श्रीनारायण मिश्र, अरविंद कुमार सैनी, महेन्द्र कुमार निषाद व पंकज साहू है।

आईएमएस में खेला गया डिस्ट्रिक्ट प्ले क्रिएटर्स लीग का फाइनल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में आयोजित चार दिवसीय डिस्ट्रिक्ट प्ले क्रिएटर्स लीग का फाइनल मुकाबला रोमांच और उत्साह से भरपूर रहा। आईएमएस वॉरियर्स और मिगसन चैंपियंस के बीच खेले गए फाइनल में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। निर्धारित समय तक मुकाबला 6-6 की बराबरी पर रहा। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट के जरिए विजेता का फैसला हुआ, जिसमें मिगसन चैंपियंस ने जीत दर्ज कर लीग का खिताब अपने नाम किया। आईएमएस की स्पोट्स कॉडिनेटर रीना मैसी ने बताया कि फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। मैदान पर तेज पासिंग, शानदार गोल प्रयास और बेहतरीन डिफेंस ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और मुकाबला अंतिम क्षण तक बराबरी का बना रहा। निर्धारित समय के बाद पेनल्टी शूटआउट में मिगसन चैंपियंस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इस अवसर पर आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया। आईएमएस भविष्य में भी युवाओं को खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। फाइनल से पहले खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में आईएमएस वॉरियर्स ने स्टेलारिन एफसी को 5-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में मिगसन चैंपियंस और विश्वकर्मा स्पोर्ट्स एफसी के बीच मुकाबला 3-3 की बराबरी पर समाप्त हुआ। पेनल्टी शूटआउट में मिगसन चैंपियंस ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई।

सीबीआरएन आपदा प्रबंधन को लेकर 42वीं वाहिनी पीएसी में प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), लखनऊ में डीआरडीओ के वैज्ञानिकों द्वारा 16 से 19 सितम्बर 2026 तक आयोजित Special Course on CBRN Emergency Management में 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज के दो जवानों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में आरक्षी 190723983 अनुराग यादवङ एवं ङआरक्षी 210563122 ािशाेवाम्ा श्रीवास्तवङ ने प्रतिभाग कर सीबीआरएन (Chemical, Biological, Radiological and Nuclear) आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी एवं तकनीकी दक्षता को वाहिनी के अन्य जवानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 21 सितम्बर 2026 को 42वीं वाहिनी पीएसी के सभागार में विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ङसेनानायक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) के निर्देशन में प्रशिक्षित जवानों ने वाहिनी के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सीबीआरएन आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी तथा आवश्यक सावधानियों एवं बचाव उपायों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सूबेदार मेजर श्री सुधांशु कुमार, इनडोर प्रभारी श्री बृजेश कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सीबीआरएन आपदाओं की स्थिति में जवानों की तैयारियों को मजबूत करना तथा प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों के लिए आवश्यक कौशल एवं जागरूकता विकसित करना रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्कर्ष नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान एवं प्रेरणा विमर्श-2026 कार्यक्रम के समापन समारोह में की सहभागिता

नारी सशक्तीकरण, युवा स्वाभिमान एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने पर दिया जोर,मुख्यमंत्री ने महिला कल्याण, रोजगार, स्वरोजगार और युवा प्रतिभाओं के प्रोत्साहन को बताया विकसित भारत का आधार

मुख्यमंत्री ने राम, कृष्ण, बुद्ध एवं राष्ट्रनायकों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का किया आह्वान,प्रदेश में अब 24 हजार से ज्यादा स्टार्टअप, इनमें आधे से ज्यादा महिलाओं द्वारा संचालितः मा0 मुख्यमंत्री,अपनी संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से जुड़कर ही भारत के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव : स्वांत रंजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के इंडोर स्टेडियम में 19 एवं 20 सितंबर को आयोजित दो दिवसीय 'उत्कर्ष नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान एवं प्रेरणा विमर्श-2026' कार्यक्रम के समापन समारोह में सहभागिता की। मा0 मुख्यमंत्री जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास, निवेश, स्टार्टअप और रोजगार की उपलब्धियों का किया उल्लेख

समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी द्वारा 'केशव संवाद' और 'प्रेरणा विचार' पत्रिकाओं के 2026-27 के अंकों का विमोचन किया गया। वीडियो के माध्यम से प्रदेश की नारी और युवा शक्ति की बदलती तस्वीर प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने नारी शक्ति के सम्मान, युवाओं के स्वाभिमान एवं सशक्तीकरण, भारतीय सांस्कृतिक विरासत, रोजगार, आत्मनिर्भरता तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तीकरण, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले व्यक्तियों के प्रयासों को सम्मानित एवं रेखांकित करना रहा।मुख्यमंत्री जी ने प्रेरणा विमर्श के आयोजकों और पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह आयोजन भारतीय सनातन चेतना, ऋषि परंपरा और समाज से जुड़े ज्वलंत विषयों पर सार्थक संवाद को आगे बढ़ाने का अभिनव प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत की सनातन परंपरा 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः', 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' तथा 'एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति' जैसे उदात्त विचारों पर आधारित है, जिसमें सभी के कल्याण, विचारों के सम्मान और विश्व को एक परिवार मानने का भाव निहित है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान और गरिमा का स्थान प्राप्त रहा है। 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' के भाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने विदुषी गार्गी, मैत्रेयी, माता अनुसूया, मीराबाई, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर, रानी दुर्गावती और महारानी लक्ष्मीबाई जैसी महान महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति ने ज्ञान, शासन, संस्कृति, त्याग, शौर्य और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में वीरांगना अवंतीबाई लोधी, वीरांगना झलकारी बाई और वीरांगना ऊदा देवी पासी के नाम पर तीन महिला पीएसी बटालियनों का गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए तथा भेदभाव की प्रवृत्ति को समाप्त करना समाज और सरकार की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में उत्तर प्रदेश पुलिस की सब इंस्पेक्टर अस्मिता डे द्वारा भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने का उल्लेख करते हुए महिला प्रतिभाओं की उपलब्धियों को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण को शासन की योजनाओं के केंद्र में रखा गया है। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कन्या

के जन्म से लेकर शिक्षा, कौशल विकास और विवाह तक सहायता प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में 04 करोड़ लोगों को आवास उपलब्ध कराया गया है, जबकि उत्तर प्रदेश में 65 लाख लोगों को आवास मिल चुका है और 12 लाख लोगों को शीघ्र

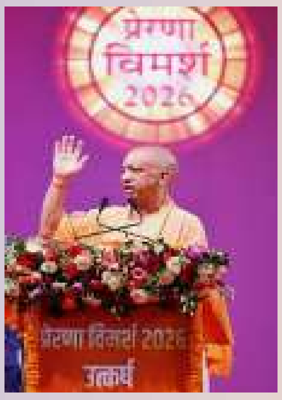

आवास उपलब्ध कराने की तैयारी है। देश में तीन करोड़ परिवारों को घरौनी के माध्यम से मकान का मालिकाना अधिकार दिया गया, जिसमें पहला अधिकार महिलाओं का है। उन्होंने कहा कि आवास और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना जाति, क्षेत्र, भाषा या धर्म के भेदभाव के उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने महिलाओं को आवासीय स्वामित्व में प्राथमिकता देने तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 12 करोड़ एलपीजी कनेक्शन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत **शौचालय निर्माण के माध्यम से महिला गरिमा एवं स्वास्थ्य की रक्षा का उल्लेख किया**। उन्होंने उत्तर प्रदेश में 54 हजार बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखियों के कार्य करने की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के माध्यम से बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार हुआ है। झांसी में 2019 में पांच महिलाओं से शुरू हुए मिल्क प्रोड्यूसर समूह का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि आज इससे 62 हजार महिलाएं जुड़ी हैं और समूह का टर्नओवर 115 करोड़ रुपये तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को प्रतिमाह लगभग 08 से 10 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। आगरा, काशी, गोरखपुर और लखनऊ में भी मिल्क प्रोड्यूसर के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश पुलिस में महिला कर्मियों की संख्या लगभग 10 हजार थी, जो अब बढ़कर 44 हजार हो गई है। उन्होंने अगले तीन-चार महीनों में महिला पुलिस बल की संख्या 50 हजार से अधिक होगी। उन्होंने महिला कार्यबल की भागीदारी में वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं को अवसर मिलने पर वे परिवार और कार्यक्षेत्र दोनों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने आठ हजार न्याय पंचायतों में डिजिटल इंटरप्रेन्योर सिटी योजना के माध्यम से 04 हजार महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण एवं अवसरों से जोड़ने की योजना का उल्लेख किया। साथ ही, निराश्रित महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों सहित लगभग 01 करोड़ 10 लाख परिवारों को 12 हजार रुपये वार्षिक पेंशन सुविधा उपलब्ध कराने की जानकारी दी।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति है और उत्तर प्रदेश में लगभग 56 प्रतिशत आबादी युवा है। उन्होंने युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार और स्टार्टअप के अवसरों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले साढ़े नौ वर्ष में 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। उत्तर प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में लगभग सवा तीन करोड़ युवा कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में लगभग 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की ग्राउंड ब्रेकिंग कराई गई है। इन उद्योगों में 65 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय और बजट में तीन गुना वृद्धि का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश को रेवेन्यू सरप्लस राज्य और देश के ग्रोथ इंजन के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में 120 से कम स्टार्टअप थे, जबकि अब प्रदेश में 24 हजार से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी के अनुसार, इनमें लगभग आधे स्टार्टअप महिलाओं द्वारा संचालित हैं। उन्होंने शिक्षा, स्किलिंग, रोजगार और स्टार्टअप इकोसिस्टम को युवा विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए युवा शक्ति और नारी शक्ति को विकसित भारत के निर्माण की प्रमुख ताकत बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास को भारतीय सांस्कृतिक विरासत और आदर्शों से जोड़कर आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने भ्रष्टाचार और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का उल्लेख करते हुए श्रीराम को मर्यादा, श्रीकृष्ण को धैर्य एवं सत्यता तथा भगवान बुद्ध के 'अप्प दीपो भव' संदेश को आत्मनिर्भरता की प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, विनायक दामोदर सावरकर, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोबिंद सिंह जी सहित अनेक ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इन महान व्यक्तित्वों का जीवन राष्ट्र, संस्कृति, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए समर्पण का संदेश देता है। युवाओं को अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में करना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था में सुधार, निवेश, रोजगार, महिला सशक्तीकरण और आर्थिक विकास के प्रयासों के साथ विरासत से विकास की यात्रा को आगे बढ़ाया जा रहा है। मा0 मुख्यमंत्री कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए राष्ट्र प्रथम है। देश सुरक्षित है तो धर्म, उपासना पद्धति, जाति, परिवार और व्यक्ति भी सुरक्षित हैं। नारी और युवा शक्ति का स्वावलंबन ही उत्तर प्रदेश और भारत के स्वावलंबन का आधार बनेगा।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रेरणा विमर्श का आयोजन नारी गरिमा, युवा प्रतिभा, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक संवाद को एक मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि नारी शक्ति और युवा शक्ति को सम्मान, अवसर और मार्गदर्शन प्रदान करने वाले ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी के शताब्दी वर्ष तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य प्रत्येक भारतीय का सपना होना चाहिए। आत्मनिर्भर और विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री जी ने प्रेरणा विमर्श-2026 के सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों, प्रतिभागियों और उपस्थित जनसमुदाय को शुभकामनाएं दीं। अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, स्वांत रंजन जी ने अपने संबोधन में कहा कि महर्षि अरविंद के अनुसार, जो समाज अपने अतीत के गौरव, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य के सपनों को ध्यान में रखता है, वही उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने गौरवशाली इतिहास, पूर्वजों के बलिदान, भारतीय संस्कृति और अपनी परंपराओं के बारे में जानना आवश्यक है। जिस प्रकार गहरी जड़ों वाला वृक्ष आंधी-तूफान में मजबूती से खड़ा रहता है, उसी प्रकार अपनी संस्कृति और इतिहास से जुड़ा समाज भी कठिन परिस्थितियों का सामना कर सकता है। मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियों 'हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे अभी' का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं से अपने अतीत को समझने और भविष्य के सपने गढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने आचार्य धर्मपाल की पुस्तक 'द ब्यूटीफुल ट्री' का संदर्भ देते हुए भारत की पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था और ऐतिहासिक समृद्धि पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक समृद्धि का इतिहास गौरवशाली रहा है, लेकिन औपनिवेशिक शासन के दौरान देश की अर्थव्यवस्था को भारी क्षति पहुँची। इसलिए युवाओं को भारत के वास्तविक इतिहास, उपलब्धियों और विरासत का ज्ञान होना चाहिये। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के संदर्भ में उन्होंने पंच परिवर्तन के अंतर्गत स्व का बोध के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय पहचान को समझते हुए भारतीय विचारों के अनुरूप व्यवस्था के विकास के लिए प्रयास करना चाहिए। अंत में उन्होंने युवाओं और समाज के सभी वर्गों से भारतीय संस्कृति के संरक्षण, राष्ट्र की प्रगति और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। संसद टीवी के संपादक श्याम किशोर ने अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित प्रबुद्धजनों का स्वागत और अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय मनीषा ने सदैव श्रेष्ठ विचारों और संवाद को महत्व दिया है। उन्होंने वेदों के 'आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' तथा 'वादे वादे जायते तत्त्वबोधः' जैसे सूत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न विचारों के बीच सार्थक संवाद से सत्य और तत्त्व का बोध संभव है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में प्रारंभ हुई प्रेरणा विमर्श की यात्रा के अंतर्गत भारत की गौरवशाली विरासत, स्वतंत्रता का अमृतकाल, भविष्य का भारत, स्व का आत्मबोध, पंच परिवर्तन और नवोथान के नए क्षितिज जैसे विषयों पर प्रतिष्ठित विद्वानों, लेखकों, पत्रकारों एवं विचारकों ने विमर्श किया है। उन्होंने कहा कि विचारों के संघर्ष और उससे उत्पन्न भ्रम के दौर में समाज एवं राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध जागृत करना आवश्यक है। प्रेरणा विमर्श संवाद के माध्यम से सत्य की स्थापना का एक प्रतिष्ठित मंच बनकर उभरा है। उन्होंने विमर्श के अंतर्गत प्रकाशित स्मारिका पुस्तकों, केशव संवाद, प्रेरणा विचार पत्रिकाओं के विशेषांकों, विषय आधारित प्रदर्शनियों तथा नारी शक्ति राष्ट्रबंधन यज्ञ का उल्लेख किया। साथ ही, समाजहित एवं राष्ट्रहित में सकारात्मक पत्रकारिता करने वाली महिला पत्रकार को प्रतिवर्ष सम्मानित किए जाने की परंपरा की जानकारी दी।प्रेरणा विमर्श 2026 का विषय 'उत्कर्ष, नारी सम्मान, युवा स्वाभिमान' है, जिसके अंतर्गत विकसित भारत के निर्माण में मातृशक्ति एवं युवाओं के सकारात्मक योगदान पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने भारतभूमि में जन्म को गौरव के साथ एक महत्वपूर्ण दायित्व बताते हुए विष्णुपुराण और मनुस्मृति के संदर्भों से चरित्र, कर्तव्य और राष्ट्रबोध की आवश्यकता रेखांकित की। अंत में उन्होंने सभी के सहयोग, समर्थन और स्नेह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रेरणा परिवार की ओर से धन्यवाद एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह, प्रेरणा विमर्श के कार्यकारी अध्यक्ष वी0के0 गुप्ता, अध्यक्ष अनिल त्यागी, डॉ0 मनमोहन सिंह सिसोदिया, प्रेरणा शोध संस्थान न्यास नोएडा अध्यक्ष प्रीति दादू जी, सचिव मोनिका चौहान, प्रेरणा शोध संस्थान के अन्य पदाधिकारीगणों, स्वयंसेवक सहित जनपद के माननीय जनप्रतिनिधि, प्रशासन प्राधिकरण एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी को अर्पित की श्रद्धांजलि, शोक संतप्त परिवार को दी सांत्वना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय पंडित कलराज मिश्रा जी

(बाबूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिवंगत श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने श्रद्धेय कलराज मिश्रा एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें इस कठिन एवं दुःख की घड़ी में सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति एवं धैर्य प्रदान करें। श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। उनके निधन पर क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नगर, गौतम बुध नगर सांसद डा. महेश शर्मा , नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह , पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी , जिला प्रभारी नोएडा डी.के.शर्मा , जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान , पूर्व मंत्री वीरेंद्र तिवारी, एम एल सी विजय पाठक, विनोद त्यागी, जिला महामंत्री अमित त्यागी, ओमवीर अवाना, चंदगीराम यादव, शशि मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, डा. हेमलता द्विवेदी, पूयूष द्विवेदी, अमित मिश्रा, शिखा मिश्रा, राजन मिश्रा, डॉ सुषमा मिश्रा, अक्षत मिश्रा, सहित विभिन्न क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों, शुभचिंतकों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा लगातार शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

यूपीआईटीएस 2026-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की ग्रेटर नोएडा में 25-29 सितंबर को आयोजित होने वाले चतुर्थ उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले की तैयारियों की समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार, निर्माण और निर्यात का एक अग्रणी केंद्र बनाने के उद्देश्य से, उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (यूपीआईटीएस 2026) का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर 2026 तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इस प्रमुख आयोजन की प्रगति और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और इसे वैश्विक व्यापार जगत के समक्ष राज्य की औद्योगिक क्षमता, नवाचार और निर्यात क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंच बताया। इस संस्करण के लिए अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच के बेहतरीन परिणाम सामने आए हैं, जिसके तहत छह प्रमुख भागीदार देशों – जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस के साथ सक्रिय साझेदारी स्थापित की गई है। इन देशों के प्रतिनिधिमंडल समर्पित प्रीमियम फोयर पवेलियन, द्विपक्षीय व्यावसायिक सत्रों और संरचित बी2बी बैठकों के माध्यम से भाग लेंगे। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ और विदेशी भारतीय मिशनों के समन्वित प्रयासों से 72 देशों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 600 अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के इस आयोजन में भाग लेने की संभावना है। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि विदेशी खरीदारों और प्रदर्शकों के लिए उचित आवास की व्यवस्था की जाए, भाग लेने वाले देशों के उच्चायुक्तों के लिए संपर्क अधिकारी (लायजन ऑफिसर) नियुक्त किए जाएं और आगंतुकों तथा प्रतिनिधियों की सहायता के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय एवं तकनीकी विश्वविद्यालयों के छात्रों को तैनात किया जाए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों को माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के साथ उचित रूप से जोड़ा जाना चाहिए और मंत्री, उद्योगों तथा व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच सार्थक बातचीत को सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त बैठकें आयोजित की जानी चाहिए। प्रसिद्ध वक्ताओं के साथ नॉलेज सेशन संक्षिप्त और प्रभावशाली होने चाहिए, तथा संबंधित सरकारी विभागों को अपने संबंधित सत्रों की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। नॉलेज सेशन में जनता की भागीदारी को भी प्रोत्साहित और सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उद्यमियों और निवेशकों के लिए ज्ञान साझा करने को लाभदायक बनाने के मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप, यह ट्रेड शो प्लेनरी और उद्घाटन कार्यक्रमों के साथ-साथ 20 नॉलेज सेशन की मेजबानी करेगा। प्रमुख पैनल चर्चाओं और कार्यशालाओं में 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की नई परिकल्पनाः उत्तर प्रदेश का महत्व 'भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विकास का अगला चरणः सेमीकंडक्टर, घटक और पैमाना 'एमएसएमई और ओडीओपी निर्यातकों के लिए ई-कॉमर्स और डिजिटल बाजार पहुंच' (E-Commerce & Digital Market Access for MSMEs and ODOP Exporters), 'उत्तर प्रदेश से मेडटेक का निर्माण' (Building MedTech from Uttar Pradesh), 'नए श्रम कोड पर कार्यशाला' (Workshop on New Labour Codes), और 'मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीएएस) का लाभ उठाना' (Leveraging Free Trade Agreements) जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाएगा, जिसके साथ ही सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2026, सड़क सुरक्षा, पारंपरिक आयुष वेलनेस और एफपीओ सुदृढ़ीकरण पर भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि यूपीआईटीएस

2026 में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों के साथ-साथ अवध, बुंदेलखंड और ब्रज क्षेत्रों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए, जिससे यह आयोजन उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता का एक सच्चा प्रतिनिधित्व बन सके। इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए 25 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के स्लॉट तैयार किए गए हैं, जिनमें कथक नृत्य, पखावज और सितार वादन, भोजपुरी और आल्हा लोक गायन, राई और थारू जनजातीय नृत्य तथा स्टार म्यूजिकल नाइट्स शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने आयोजन के दौरान संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात, पार्किंग, सार्वजनिक परिवहन, स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन और पेयजल की व्यापक व्यवस्था करने की आवश्यकता पर बल दिया। तीनों संबंधित प्राधिकरणों को स्वच्छता, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए परस्पर समन्वय बनाना होगा। आयोजन स्थल स्वच्छ, व्यवस्थित और प्लास्टिक-मुक्त रहना चाहिए, जिसके प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं। सभी सरकारी विभागों को 23 सितंबर तक अपने स्टॉल लगाने का काम पूरा करने का निर्देश दिया गया, जबकि प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग्स, पोस्टर और दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाने चाहिए। अतिरिक्त टावर लगाकर नेटवर्क कनेक्टिविटी बढ़ाने और विश्वसनीय इंटरनेट व वाई-फाई सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों से संपर्क किया जाना चाहिए। भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, और रील्स या सोशल मीडिया कंटेंट बनाते समय आगंतुकों को मर्यादा बनाए रखने व सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सुरक्षित, सुगम और स्मरणीय यूपीआईटीएस 2026 सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाओं को अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से निष्पादित किया जाना चाहिए।गौतम बुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने मुख्यमंत्री को यूपीआईटीएस 2026 के लिए यातायात योजना और व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराया। आगंतुकों, प्रदर्शकों, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों और आम जनता की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्थल तक जाने और वहां से आने वाले सभी मार्गों की समीक्षा और अद्यतन किया गया है। सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फ्रिस्किंग (जांच) और भीड़-प्रबंधन उपायों सहित व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। संभावित फुटफॉल को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए निरंतर निगरानी के साथ प्रमुख प्रवेश और निकास बिंदुओं पर पर्याप्त सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे। पुलिस आयुक्त ने माननीय मुख्यमंत्री को आयोजन स्थल तक आवागमन की सुविधा के साथ-साथ आगंतुकों और प्रदर्शकों के लिए निर्दिष्ट पार्किंग सुविधाओं की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी। भीड़भाड़ को कम करने और आगंतुकों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमन, मार्ग प्रबंधन और पार्किंग संचालन का समन्वय किया जाएगा। सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल और भीड़-नियंत्रण उपायों को मजबूत किया गया है, तथा संबंधित टीमों को पूरे आयोजन के दौरान सतर्क और तत्पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। साइट की तैयारी, यातायात प्रबंधन और आगंतुक सुविधाओं के संबंध में स्थानीय प्रशासन और पुलिस कमिश्नरेट ने व्यापक व्यवस्था की है। पार्किंग क्षेत्रों और प्रदर्शनी स्थल के बीच आगंतुकों के लिए पर्यावरण-अनुकूल और परेशानी मुक्त परिवहन की सुविधा के लिए 500 से अधिक ईवी शटल बसें चलाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त, आने वाले अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों और वीवीआईपी की सहायता के लिए नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक समर्पित यूपीआईटीएस सुविधा काउंटर संचालित किया जा रहा है। एनएमआरसी (एनएमआरसी) मेट्रो लाइनों, शहर की बसों के रैप्स, मल्टीप्लेक्स सिनेमा स्क्रीन, रेडियो और डिजिटल चैनलों पर बहु-चैनल प्रचार अभियान चलाए जा रहे हैं– जिन्होंने मेटा प्लेटफॉर्म्स पर पहले ही 1.3 करोड़ (13 मिलियन) से अधिक वीडियो व्यूज हासिल कर लिए हैं। खरीदारों, प्रदर्शकों और मेहमानों की सहायता के लिए सीएम फेलो, उद्यमी मित्र और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय व अन्य क्षेत्रीय संस्थानों के युवा स्वयंसेवक मौके पर तैनात हैं। समीक्षा के दौरान, गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी, मेधा रूपम ने मुख्यमंत्री को जिले भर में चलाए जा रहे व्यापक जमीनी और युवा लामबंदी अभियानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशंस (आरडब्लूएएस), औद्योगिक संगठनों, जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों के प्रशासकों और प्रतिनिधियों के साथ लक्षित समन्वय बैठकें की गई हैं। जेन-ज़ी और स्कूली छात्रों की भारी भागीदारी को प्रेरित करने के लिए, जिले ने एक डिजिटल रील चैलेंज, एक यंग एंटरप्रेन्योर प्रतियोगिता और युवाओं को जोड़ने तथा यूपीआईटीएस 2026 के दौरान उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई विशेष क्विज़ सहित संवाद स्थापित करने के लिए युवा पहलों की एक श्रृंखला की योजना बनाई है। इस वर्ष की केंद्रीय थीम 'अद्वितीय सोर्सिंग का अद्भुत मंच...' (Ultimate Sourcing Begins Here...) से प्रेरित, यूपीआईटीएस 2026 में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), वन डिस्ट्रिक्ट वन क्राफ्ट (ओडीओसी), सीएम युवा, एमएसएमई, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, रक्षा और एयरोस्पेस, कृषि और संबद्ध क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मा और हेल्थकेयर, टेक्सटाइल और हथकरघा, टाउन ऑफ एक्सीलेंस एक्सपोर्टर्स, वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट (क्रेडाई), तथा पर्यटन और संस्कृति जैसे प्रमुख विकास चालकों का व्यापक प्रदर्शन होगा। मजबूत औद्योगिक गति का प्रदर्शन करते हुए, भूतल और द्वितीय तल के हॉलों में 36,500 वर्ग मीटर प्रदर्शनी स्थान पहले ही बुक किया जा चुका है, जिसमें भाग लेने वाले औद्योगिक विकास प्राधिकरणों और कॉर्पोरेट संस्थाओं के लिए पूर्ण लेआउट को अंतिम रूप दे दिया गया है, जो उत्तर प्रदेश की क्षमता के वैश्विक प्रदर्शन के लिए पूरी तरह तैयार है।

थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा 01 किलोग्राम 478 ग्राम अवैध गांजा के साथ 01 अभियुक्ता गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन शुद्धि' के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री विनय प्रभाकर साहनी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए आज दिनांक 21.09.2026 को समय 06:30 बजे एयरपोर्ट रोड, लहरा मोड़, ईदगाह के पास से सुनैना पत्नी सुरेन्द्र कुमार, उम्र करीब 40 वर्ष, निवासी कस्बा म्योरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्ता के कब्जे से 01 किलोग्राम 478 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना म्योरपुर पर मु0अ0सं0-110/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्ता को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्ता का विवरण-सुनैना पत्नी सुरेन्द्र कुमार, निवासी कस्बा म्योरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 बलजीत भारद्वाज, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र, 2. का0 रामसूरत वर्मा, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र, 3. का0 राहुल कुमार, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र, 4. म0का0 साक्षी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ङशिवद्वार, घोरावल व शाहगंज में गूंजा सेवा और विकास का संदेश,प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सेवाकाल की उपलब्धियों पर आधारित नुक्कड़ नाटक ने लोगों को किया जागरूक

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन-जन तक पहुंची प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों की सेवा, विकास और जनकल्याण की यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत देश के माननीय किया। नुक्कड़ नाटक देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। तक सरल और रोचक माध्यम से पहुंचाना रहा। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने यह

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा यात्रा एवं इस दौरान किए गए अभूतपूर्व कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित नुक्कड़ नाटक का आयोजन घोरावल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर किया गया। शिवद्वार, घोरावल एवं शाहगंज में आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के सेवाकाल में देश के विकास, जनकल्याण, गरीबों के उत्थान, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के अवसरों तथा विभिन्न क्षेत्रों में हुए परिवर्तन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कलाकारों ने संवाद, अभिनय एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लंबे सेवाकाल की प्रमुख उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी कार्यों की रूपरेखा लोगों के समक्ष रखी। प्रस्तुति के दौरान उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक नुक्कड़ नाटक को देखा और इसके माध्यम से विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 25 वर्षों के सेवाकाल में देश में हुए विकास एवं जनहित से जुड़े कार्यों को जनसामान्य संदेश भी दिया कि जनसेवा, विकास और राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ किए गए कार्यों का प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचता है।

शिवद्वार, घोरावल एवं शाहगंज में आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता रही।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुत की गई जानकारी को लोगों ने रुचि के साथ देखा और प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के सेवाकाल में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की।

करमा ब्लॉक में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में साक्षी चौहान ने लाया प्रथम स्थान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिनाँक 21/09/2026, प्रतियोगिता का अवलोकन किया तथा उनसे प्रतियोगिता के थीम

दिन- सोमवार को करमा ब्लॉक में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।इस प्रतियोगिता में करमा ब्लॉक के विद्यालयों के कक्षा- 5 से कक्षा-8 के प्रतिभाशाली बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।यह प्रतियोगिता विद्यालय स्तर पर पहले आयोजित की गयी।प्रत्येक विद्यालय मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रो को ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराया गया। चित्रकला प्रतियोगिता व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 अनिल कुमार मौर्य,माननीय विधायक, घोरावल विधानसभा व सेवा संकल्प अभियान के नोडल डॉ0 प्रसन्न पटेल उपस्थित रहे।विधायक जी ने बच्चों के द्वारा आयोजित के संबंध में बातचीत किया.इस चित्रकला प्रतियोगिता में कम्पोजिट विद्यालय बट की साची चौहान ने प्रथम स्थान,उच्च प्राथमिक विद्यालय बैडाड़ के आकाश ने द्वितीय स्थान, कम्पोजिट विद्यालय सरौली के आर्यन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया,जबकि चौथे स्थान पर कम्पोजिट विद्यालय भटौलिया के अखिलेश कुमार तथा पाँचवें स्थान पर कम्पोजिट विद्यालय बघोर की नीतू रही।सभी बच्चों के द्वारा प्रतियोगिता में किये प्रयास की सराहना करते हुए माननीय विधायक डा.अनिल मौर्य व विशिष्ट अतिथियो ने बच्चों को पुरस्कृत करके सम्मानित किया।उक्त 05 शीर्ष स्थान प्राप्त बच्चों द्वारा जनपद स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया जायेगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद-सोनभद्र, जनपद-सोनभद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में आज दिनांक- 21 सितम्बर 2026 सोमवार को श्री राज कुमार राज अवर अभियन्ता नगर पालिका परिषद सोनभद्र्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 6, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 4, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। श्री राज कुमार राज अवर अभियन्ता नगर पालिका परिषद सोनभद्र्र, द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है उक्त अवसर पर मा0 सदस्यगण एवं नगर पालिका कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन 27 सितंबर तक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सहायक निदेशक मत्स्य शुभम कश्यप ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवशेष लक्ष्य के सापेक्ष पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ देने के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल पुनः खोल दिया गया है। इच्छुक लाभार्थी 20 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत जलाशयों में 65,000 मत्स्य अंगुलिका संचय, महिला वर्ग के लिए 241 Backyard RAS यूनिट तथा प्रदेश के समस्त जनपदों में पारंपरिक मछुआरा परिवारों के लिए 500 यूनिट आजीविका एवं पोषण संबंधी सहायता परियोजनाओं का प्रावधान है। योजनाओं से संबंधित परियोजना विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया एवं आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक अभिलेखों की जानकारी विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर उपलब्ध है। सहायक निदेशक मत्स्य ने जनपद के मत्स्य पालकों, मत्स्य कृषकों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों एवं इच्छुक पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि 27 सितंबर 2026 तक विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन अवश्य प्रस्तुत करें।

आबकारी अधिकारी को दिया निष्पक्ष जाँच कराने का पत्र-संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। किसान

नौजवान संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधि मण्डल दोपहर में आबकारी कार्यालय में पहुँच कर सोनभद्र के आबकारी अधिकारी को उनके निरिक्षक द्वारा किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के उपर लगाए गये आरोप उनके घर पर जाकर मोर्चा संयोजक के माता जी व पिता जी से कहना कि आपके बेटे के द्वारा नशे का कारोबार चलाया जा रहा हैं उक्त निरिक्षक से घरवालो के फोन से मोर्चा संयोजक द्वारा वारता किए जाने पर निरिक्षक विनोद कुमार साव ने बताया कि इस प्रकार का आरोप छ्वेंए पर प्राप्त सुचना के आधार पर हम जाँच करने आये हैं जाचोपरान्त उनके द्वारा मोर्चा संयोजक से बताया गया कि इस तरह की कोई बात नहीं पायी गयी मोर्चा संयोजक ने जब शिकायत कर्ता का नाम पूछा तो उन्होने प्रोटोकॉल का हवाला देकर शिकायत कर्ता का नाम न बताने कि बात कही इस पर मोर्चा संयोजक ने आज आबकारी अधिकारी से मिलकर जाँच कराकर फर्जी शिकायत कर्ता के उपर कार्यवाही की मांग पत्र देकर किया तथा शिकायत कर्ता का नाम सार्वजनिक करने की बात कही साथ में उन्होंने कहा कि जल जंगल जमीन व विन्ध्य एक्सप्रेस वे में हो उत्पीड़न जो हमारे जनपद के परिवारि जनो का प्रशासनिक अमले द्वारा किया जा रहा है उस पर आन्दोलन चलाने की वजह से इस प्रकार की कार्यवाही कर हमे परेसान किया जा रहा व घर के लोगों को भी पर ये आन्दोलन सोनभद्र की सासो को बचाने तथा अपने?

अन्नदाताओ के जीविका को बचाने का आन्दोलन है ये न रुकेगा न झुकेगा चाहे प्रशासन कार्पोरेट नक्सलीयो के व सत्ता लोभी सत्ताधीशो के इसारे पर कितनी भी कालनेमी कुचक्र की कुचेष्टा करे।

आज प्रतिनिधिमण्डल में आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द सजय बियार दिनेश चेरो सुरेस खरवार अरविन्द पटेल व रोहित मौर्य सामिल रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

स्पोर्ट्स

इजराइल,रूस और तुर्किये एशियन गेम्स में क्यों नहीं,तुर्किए की 97फीसदी और रूस की 75फीसदी जमीन एशिया में, तीनों देशों की अलग वजह

स्पोर्ट डेस्क। एशियन गेम्स को एशिया का ओलिंपिक कहा जाता है। इसमें 45 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। लेकिन एशिया के नक्शे पर मौजूद रूस, तुर्किये और इजराइल इन खेलों में क्यों नहीं खेलते? इसका जवाब सिर्फ भूगोल से नहीं मिलता। किसी देश की एशियन गेम्स में भागीदारी उसके इतिहास, खेल संस्थाओं की सदस्यता, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और राजनीतिक परिस्थितियों से भी तय होती है। और यहीं से इन तीनों देशों की कहानी एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हो जाती है। इजराइलः राजनीतिक विवादों के कारण एशियन गेम्स से बाहर-इजराइल कभी एशियन गेम्स का हिस्सा था। उसने 1954 से 1974 तक इन खेलों में हिस्सा लिया। लेकिन वेस्ट एशिया में बढ़ते राजनीतिक तनाव का असर खेलों पर भी पड़ा। 1962 के जकार्ता एशियन गेम्स में इंडोनेशिया ने इजराइल को आमंत्रित नहीं किया था। कई अरब देशों ने इजराइली खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले पर आपत्ति जताई थी। बाद में 1981 में ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के गठन के समय भी इजराइल सदस्य नहीं बना। इसके बाद उसने यूरोपीय खेल संस्थाओं के साथ जुड़ाव बढ़ाया। उसकी फुटबॉल टीम यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन के तहत खेलती है। क्या भविष्य में खेल सकते हैं- वेस्ट एशिया के राजनीतिक समीकरणों में बदलाव जरूर आया है। 2020 के अब्राहम समझौते के बाद इजराइल के यूएआई और बहरीन के साथ औपचारिक संबंध बने। मोरक्को के साथ भी संबंध सामान्य हुए। सितंबर 2026 में दोनों देशों ने अपने राजनयिक संबंधों को और मजबूत करने की घोषणा की। हालांकि, इसे एशियन गेम्स में इजराइल की वापसी की प्रक्रिया नहीं कहा जा सकता। मौजूदा ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की सदस्य सूची में इजराइल शामिल नहीं है। तुर्कियेः 97फीसदी जमीन एशिया में, लेकिन खेल ढांचा यूरोप का-तुर्किये का करीब 97फीसदी

भूभाग एशियाई हिस्से यानी अनातोलिया में है। इसके बावजूद तुर्किये ने राजनीतिक, आर्थिक और खेल संस्थाओं में यूरोपीय ढांचे के साथ मजबूत जुड़ाव बनाया। 1923 में आधुनिक तुर्किये के गठन के बाद पश्चिमी संस्थाओं से उसका जुड़ाव बढ़ा। खेलों में भी उसने यूरोपीय व्यवस्था को प्राथमिकता दी। उसकी फुटबॉल टीम यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन की सदस्य है। बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स जैसे कई खेलों में भी तुर्किये यूरोपीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेता है। क्या भविष्य में खेल सकते हैं- तुर्किये ने ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) की सदस्यता नहीं ली है। इसलिए उसका ज्यादातर भूभाग एशिया में होना अपने आप उसे एशियन गेम्स में खेलने का अधिकार नहीं देता। अगर वह भविष्य में एशियन गेम्स में शामिल होना चाहता है, तो उसे ओसीए की सदस्यता या किसी भागीदारी व्यवस्था के तहत जगह बनानी होगी। रूसः 75फीसदी जमीन एशिया में, लेकिन आबादी और खेल पहचान यूरोप में-रूस की करीब 75फीसदी जमीन एशिया में है, लेकिन उसकी 75फीसदी आबादी यूरोपीय रूस में रहती है। राजधानी मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जैसे प्रमुख शहर भी यूरोपीय हिस्से में हैं। खेलों में भी रूस की पहचान लंबे समय से यूरोप से जुड़ी रही है। सोवियत दौर से उसकी खेल संरचना यूरोपीय संस्थाओं से जुड़ी रही। फुटबॉल में भी रूस यूरोपीय खेल ढांचे का हिस्सा रहा है। क्या भविष्य में खेल सकते हैं- रूस ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया में शामिल नहीं है। हालांकि इसी साल ओसीए ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में रूसी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन के फैसले का स्वागत किया। रूस के एशियाई हिस्सों का एशियाई खेल गतिविधियों से कुछ जुड़ाव जरूर है। याकूतिया में आयोजित चिल्ड्रन ऑफ एशिया गेम्स में एशियाई देशों के युवा खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया एशिया में नहीं, फिर भी करीब आ रहा-ऑस्ट्रेलिया एशिया का हिस्सा नहीं है, लेकिन खेलों में उसका एशिया से मजबूत जुड़ाव है। 2006 में उसने ओशिनिया फुटबॉल कॉन्फेडरेशन छोड़कर एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन की सदस्यता ली। इसके पीछे एक बड़ा कारण वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन का रास्ता था। ओशिनिया की टीमों को वर्ल्ड कप में पहुंचने के लिए इंटर-कॉन्टिनेंटल प्लेऑफ खेलना पड़ता था, जबकि एशिया के पास सीधे क्वालिफिकेशन के ज्यादा मौके थे। क्या भविष्य में खेल सकते हैं- एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन की सदस्यता का मतलब एशियन गेम्स खेलने का अधिकार नहीं है। एशियन गेम्स ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के तहत होते हैं। मौजूदा ओसीए जनरल असेंबली में ऑस्ट्रेलिया शामिल नहीं है। फिर भी ऑस्ट्रेलिया के लिए एक उदाहरण मौजूद है। ओसीए ने ओशिनिया के देशों को अतिथि के रूप में अपने आयोजनों में शामिल किया है। 2017 एशियन विंटर गेम्स में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को अतिथि राष्ट्रीय ओलिंपिक समितियों के रूप में जगह मिली थी। इसके पीछे सिर्फ खेल नहीं, बाजार भी एक वजह हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया फुटबॉल के जरिए पहले ही एशियाई खेल बाजार से जुड़ा है। 2026 एआईची-नागोया एशियन गेम्स के लिए 9,305 मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग प्रतिनिधियों की पुष्टि हुई है, जिनमें 23 राइट्स होल्डिंग ब्रॉडकास्टर्स शामिल हैं।

टॉयलेट सीट से भी गंदा पिलो कवर, बेडशीट,हो सकते हैं 17 हजार से ज्यादा जर्म्स, जानें घरेलू कपड़ों को कितने दिन में धोएं

नयी दिल्ली। आपने अपने तकिए का कवर, बेडशीट या बाथ टॉवल कितने दिन पहले धोया था? घर में मौजूद ये चीजें सबसे ज्यादा इस्तेमाल होती हैं। लेकिन इनकी सफाई हम उतनी फ्रीक्वेंटली नहीं करते, जितना जरूरी है। नतीजा यह होता है कि अक्सर इनमें बैक्टीरिया, फंगस, डस्ट माइट्स और दूसरे जर्म्स पनपने लगते हैं। अमेरिका के मैट्रेस ब्रांड 'अमेरिस्लीप' की रिसर्च के मुताबिक, एक हफ्ते से ज्यादा समय तक बिना धुले इस्तेमाल किए गए पिलो कवर पर प्रति वर्ग इंच 30 लाख तक बैक्टीरिया (सीएफयूएस) जमा हो जाते हैं। यह संख्या टॉयलेट सीट पर मौजूद बैक्टीरिया से करीब 17 हजार गुना ज्यादा है। वहीं गंदी बेडशीट में बाथरूम के दरवाजे के हैंडल की तुलना में करीब 24 हजार गुना ज्यादा बैक्टीरिया हो सकते हैं। ये बैक्टीरिया कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स का रिस्क बढ़ाते हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे कि घर में इस्तेमाल होने वाले अलग-अलग कपड़े कितने दिनों में धोने चाहिए। साथ ही जानेंगे कि-किन घरेलू कपड़ों में सबसे ज्यादा जर्म्स हो सकते हैं? घरेलू कपड़ों को जर्म्स से बचाने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. बॉबी दीवान, सीनियर फिजिशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या घर में इस्तेमाल होने वाले कपड़े भी बीमारियों की वजह बन सकते हैं? जवाब- हां, अगर घर में यूज होने वाले कपड़ों की रेगुलर सफाई न की जाए तो इनसे कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। दरअसल-गंदे घरेलू कपड़े बैक्टीरिया, फंगस, डस्ट माइट्स और अन्य एलर्जन्स का ठिकाना बन सकते हैं। इनमें नमी, पसीना, डेड स्किन सेल्स और फूड पार्टिकल्स जमा होने से जर्म्स तेजी से बढ़ते हैं। इससे स्किन इन्फेक्शन, एलर्जी, फंगल इन्फेक्शन और अस्थमा जैसी प्रॉब्लम्स का रिस्क बढ़ता है। सवाल- किन घरेलू कपड़ों में सबसे ज्यादा जर्म्स पनपते हैं? जवाब- जो घरेलू कपड़े रेगुलर इस्तेमाल होते हैं, उनमें जर्म्स तेजी से पनपते हैं। इनमें बाथ टॉवल, किचन क्लॉथ, पिलो कवर और बेडशीट शामिल हैं। टॉवल में नमी लंबे समय तक बनी रहती है। इसलिए बैक्टीरिया और फंगस तेजी से बढ़ते हैं। किचन क्लॉथ पर फूड पार्टिकल्स, तेल और नमी जमा होती

रहती है। इससे यह जर्म्स का अड्डा बन सकता है। पिलो कवर और बेडशीट पर पसीना और डेड स्किन सेल्स जमा होते रहते हैं, जो बैक्टीरिया और डस्ट माइट्स के लिए अनुकूल माहौल बनाते हैं। पर्दे, सोफा कवर और डोरमैट में धूल-मिट्टी और एलर्जी पैदा करने वाले कण जमा होते रहते हैं। इन घरेलू कपड़ों में हो सकते हैं जर्म्सः- बाथ टॉवल, तकिया का कवर, हैंड टॉवल, पर्दे, डिश / बर्तन पोंछने का कपड़ा, किचन की झाड़न, कंबल का कवर (डुवेट कवर) बेडशीट, सोफा कवर, टेबल क्लॉथ, डाइनिंग टेबल कवर, पावदान (डोरमैट) कुशन कवर। सवाल- इन कपड़ों में किस तरह के जर्म्स पनप सकते हैं? जवाब- गंदे घरेलू कपड़ों में नमी, गंदगी और धूल जमा होने पर कई तरह के जर्म्स और एलर्जन्स पनप सकते हैं, जैसेकि- बैक्टीरिया, फंगस, डस्ट माइट्स, यीस्ट, मोल्ड, एलर्जन्स, सवाल- इन जर्म्स से कौन-सी बीमारियों का रिस्क हो सकता है? जवाब- गंदे घरेलू कपड़ों में मौजूद जर्म्स और एलर्जन्स कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का रिस्क बढ़ाते हैं, जैसेकि- फंगल इन्फेक्शन, स्किन इन्फेक्शन, स्टमक इन्फेक्शन, एलर्जी अस्थमा ट्रिगर, फूड पॉइजनिंग-कंजंक्टिवाइटिस (आंखों का संक्रमण) अमूमन लोगों के लिए कपड़े गंदे होने का दो ही मतलब है- या तो उस पर दाग है या स्मेल आ रही है। लेकिन ये दोनों कंडीशन न होने पर भी कपड़े को धोने की जरूरत हो सकती है। सवाल- कौन-से संकेत बताते हैं कि अब कपड़ा धोना जरूरी है? जवाब- अगर कपड़े पर दाग, गंदगी, नमी दिख रही है या उससे स्मेल आ रही है तो साफ संकेत है कि उसे धोने की जरूरत है। लेकिन ऐसा कोई भी संकेत बताना बहुत अजीब होगा। असली बात यह है कि हमें किसी संकेत का इंतजार नहीं करना चाहिए। जो कपड़ा रेगुलर इस्तेमाल होता है, उसे तय वॉशिंग शेड्यूल के अनुसार धोना जरूरी है, क्योंकि उसमें जमा गंदगी और कीटाणु हमें दिखाई नहीं देते। सवाल- घर में इस्तेमाल होने वाले किस कपड़े को कितने दिन में धोना चाहिए? जवाब- यह इस बात पर निर्भर करता है कि उनका इस्तेमाल कितनी बार होता है और वे नमी के संपर्क में कितना रहते हैं। इसलिए हर कपड़े के लिए अलग वॉशिंग, घरेलू कपड़े। सवाल- क्या साफ दिखने वाला कपड़ा भी गंदा हो सकता है? जवाब- हां, कपड़े का साफ दिखना इस बात की गारंटी नहीं है कि वह वास्तव में साफ भी है। बैक्टीरिया, डस्ट माइट्स, पसीना और डेड स्किन सेल्स आंखों से दिखाई नहीं देते। ये धीरे-धीरे कपड़ों में जमा होते रहते हैं। सवाल- कपड़ों को जर्म्स से बचाने के लिए क्या करें? जवाब- घरेलू कपड़ों की रेगुलर सफाई से उनमें जर्म्स का रिस्क काफी कम होता है। घरेलू कपड़ों को जर्म्स से कैसे बचाएं? - रेगुलर सफाई करें। बारिश में भीगे कपड़े फिर से धोएं। हमेशा गर्म पानी से धोएं। उसे साफ, सूखी जगह रखें। पूरी तरह सुखाकर रखें। टॉवल शेयर न करें। कपड़ा गीला न रहने दें। टॉवल पूरी तरह सुखाएं। घरेलू कपड़ों से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब- सवाल- क्या एक ही कपड़े से बर्तन और किचन स्लैब साफ करना सही है? जवाब- नहीं, बर्तन और किचन स्लैब के लिए अलग-अलग कपड़े इस्तेमाल करें, ताकि क्रॉस-कंटैमिनेशन का रिस्क न रहे। सवाल- बेडशीट और पिलो कवर कितने दिन में बदलने चाहिए? जवाब- बेडशीट को सप्ताह में कम-से-कम एक बार और पिलो कवर को हर 3-7 दिन में बदलना बेहतर माना जाता है। अगर एलर्जी है, बीमार हैं या पालतू जानवर बिस्तर पर आते हैं, तो इन्हें जल्दी बदलना चाहिए। सवाल- क्या सफाई वाले सभी कपड़ों को वॉशिंग मशीन में एक साथ धोना सही है? जवाब- नहीं, किचन क्लॉथ, बर्तन पोंछने के कपड़े और टॉवल को अलग-अलग ही धोना चाहिए। इन्हें पहनने वाले कपड़ों या बेडशीट और पिलो कवर के साथ भी नहीं धोना चाहिए। डोरमैट को तो एकदम अलग से धोना चाहिए। डोरमैट के साथ सिर्फ अन्य डोरमैट्स ही धोएं। सवाल- क्या कपड़ों को धूप में सुखाने से जर्म्स कम होते हैं? जवाब- हां, धूप की अल्ट्रावॉयलेट (युवी) किरणें कुछ बैक्टीरिया और फंगस की संख्या कम कर सकती हैं।

हालांकि सिर्फ धूप में रखना पर्याप्त नहीं है। पहले कपड़ों को अच्छी तरह धोना जरूरी है। सवाल- क्या घरेलू कपड़ों को गर्म पानी से धोने पर जर्म्स खत्म हो जाते हैं? जवाब- गर्म पानी कई तरह के बैक्टीरिया, फंगस और धूल के कणों को कम करने में मदद करता है। लेकिन सिर्फ गर्म पानी से सभी जर्म्स पूरी तरह खत्म नहीं होते। जर्म्स को प्रभावी ढंग से हटाने के लिए कपड़े को डिटर्जेंट से अच्छी तरह धोना और धूप में सुखाना जरूरी है।

एशियन गेम्स

भारत को 6 मेडल, शूटिंग में 5 आए,हिमांशु-रुद्रांश को मेंस 10 मीटर राइफल में सिल्वर-ब्रॉन्ज, सुचिका को मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में कांस्य

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने जापान के नगोया में चल रहे एशियन गेम्स में 6 मेडल जीत लिए हैं। इनमें से 5 मेडल शूटर्स

ने दिलाए। एक मेडल सुचिका तारियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्टस में दिलाया। सोमवार को मेंस 10 मीटर राइफल इवेंट में हिमांशु ढिल्लों (252.4 अंक) ने सिल्वर और रुद्रांश पाटिल (230.9 अंक) ब्रॉन्ज जीते। चीन के शेंग लिहाओ (254.2 अंक) ने गोल्ड जीता। टीम इवेंट में भारतीय टीम 1890.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। इस टीम में पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों शामिल रहे। चीन (1899.9 अंक) पहले और कोरिया (1884.2 अंक) तीसरे स्थान पर रही। भारत 10वें स्थान पर पहुंचाः-भारत एशियन गेम्स की मेडल टैली में 10वें स्थान पर है। उसके खाते में अब 4 सिल्वर समेत 2 मेडल हैं। चीन 14 गोल्ड समेत 23 मेडल के साथ पहले स्थान पर है। जापान 6 गोल्ड समेत 21 मेडल के साथ दूसरे और साउथ कोरिया 4 गोल्ड समेत 16 मेडल के साथ तीसरे स्थान पर है। अब तीनों शूटरों के बारे में जानें-रुद्रांक्ष पाटिलः वर्ल्ड चैंपियन भारतीय शूटरः-रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल का जन्म 16 दिसंबर 2003 को ठाणे, महाराष्ट्र में हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल के शूटर हैं। उन्होंने 2022 में काहिरा वर्ल्ड

चैंपियनशिप में इंडिविजुअल और टीम इवेंट का गोल्ड जीता। इंडिविजुअल वर्ल्ड टाइटल जीतने वाले वे अभिनव बिंद्रा के बाद दूसरे भारतीय बने। 2022 में वे 10 मीटर एयर राइफल में वर्ल्ड नंबर-1 भी रहे। पार्थ राकेश मानेः जूनियर वर्ल्ड चैंपियनः-पार्थ राकेश माने का जन्म 13 नवंबर 2007 को हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल शूटर हैं। उन्होंने 2024 में पेरू के लीमा में आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर जूनियर वर्ल्ड टाइटल हासिल किया। इसी साल उन्होंने जूनियर वर्ल्ड कप में सिल्वर और एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज भी जीता। हिमांशु ढिल्लोंः भारत के उभरते राइफल शूटरः-हिमांशु ढिल्लों का जन्म 29 सितंबर 2005 को हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल शूटर हैं। 2025 में उन्होंने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज जीता। 2026 में एशियन चैंपियनशिप में भी दो गोल्ड अपने नाम किए। म्यूनिख में 2026 के सीनियर वर्ल्ड कप में वे 9वें रहे और क्वालिफिकेशन में 635.7 अंक बनाए। अपडेट्सः-बैडमिंटनः भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ बढ़त बनाई-बैडमिंटन के पुरुष टीम इवेंट के पहले दौर में भारत-बांग्लादेश मैच शुरू हो गया है। पहला मुकाबला लक्ष्य सेन और अयमान इब्न जमन के बीच खेला जा रहा है। लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-4 से जीत दर्ज की। बांग्लादेशी खिलाड़ी के खिलाफ लक्ष्य को पहले गेम में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। महिला हॉकी- भारत की लगातार दूसरी जीत, इंडोनेशिया को 17-1 से हराया- भारत ने एशियन गेम्स में एक और बड़ी जीत दर्ज की। भारतीय महिला टीम ने

इंडोनेशिया को 17-1 से हराया। भारत ने इससे पहले उज्बेकिस्तान के खिलाफ 19 गोल किए थे। दो मैचों में टीम के खाते में 36 गोल हो गए हैं। नवनीत, रुतुजा और दीपिका ने हैट्रिक लगाई। साक्षी, सुनेलिता और लालरेमसियामी ने 2-2 गोल किए, जबकि इशिका और सलीमा टेटे ने 1-1 गोल किया। कबड्डीः भारत ने जापान को 49-24 से हरायाः-भारतीय मेंस कबड्?डी टीम ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। भारतीय टीम ने जापान को 49-24 से हराया। भारत 50 अंक के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका, लेकिन 25 अंकों के अंतर से मिली जीत प्रभावी रही। सॉफ्ट टेनिसः जय-आध्या की जोड़ी क्वार्टर फाइनल से चूकी-जय मीणा और आध्या तिवारी सॉफ्ट टेनिस के मिक्स्ड डबल्स इवेंट के पहले राउंड में हार गई है। भारतीय जोड़ी क्वार्टर फाइनल में जगह नहीं बना सकी। उसे फिलीपींस के शेरविन नुगुइट और क्रिस्टी सैनोसा ने 5-2 से हराया। इस मैच का सेट स्कोर 4-2, 2-4, 2-4, 3-5, 2-4, 5-3, 6-8 रहा। शूटिंग- हिमांशु ढिल्लों ने सिल्वर, रुद्रांक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज जीता-भारत के हिमांशु ढिल्लों ने सिल्वर और रुद्रांक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज जीता। फाइनल में रुद्रांक्ष हाफवे मार्क तक बढ़त पर थे, लेकिन मुकाबले के दूसरे हिस्से में उनका प्रदर्शन थोड़ा कमजोर रहा। अपने डेब्यू एशियन गेम्स में हिमांशु ने दबाव के बीच शानदार शूटिंग की। वे क्वालिफिकेशन में सातवें स्थान पर रहे थे, लेकिन फाइनल में

बेहतर प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। चीन के शेंग लिहाओ ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। जिउ-जित्सु टीम रद्द हुई तो सुचिका ने एमएमए चुना- 12 साल की उम्र में जूडो शुरू करने वाली सुचिका तारियाल 8 बार नेशनल चैंपियन रहीं। उन्होंने 2019 कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप और साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड जीता। 2024 जिउ-जित्सु वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी गोल्ड हासिल किया। एशियन गेम्स के लिए जिउ-जित्सु टीम रद्द होने के बाद सुचिका ने एमएमए का रुख किया। एशियन चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपनी यात्रा का खर्च खुद उठाया और दो ब्रॉन्ज जीते। इसके बाद एशियन गेम्स टीम में जगह बनाई। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स : सुचिका ने जीता ब्रॉन्ज मेडल-सुचिका तारियाल मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स

के महिला ट्रेडिशनल 60 किग्रा कैटेगरी का सेमीफाइनल मैच हार गईं। उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। सुचिका को सिंगापुर की हुई हून टियो ने 2-0 से हराया। नतीजे के बाद सुचिका भावुक हो गईं। उन्होंने अंपायर्स के फैसले को चैलेंज किया। बॉक्सिंगः सुमित राउंड ऑफ-16 में पहुंचे-सुमित ने बॉक्सिंग के मेंस 70किग्रा में थाईलैंड के बुंजोंग सिंसिरी को हराया। वे राउंड ऑफ-16 में पहुंच गए हैं। सुमित ने तीसरे राउंड में संभलकर खेलते हुए 5-0 से जीत दर्ज की। वह पूरे मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा प्रभावी रहे। रुद्रांक्ष और हिमांशु 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल के फाइनल में भी पहुंचेः-भारत के रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों ने मेंस के 10 मीटर एयर राइफल के इंडिविजुअल फाइनल में जगह बना ली है। क्वालिफिकेशन में रुद्रांक्ष 631.8 अंक के साथ तीसरे और हिमांशु 630.0 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। भारत के पार्थ राकेश माने 628.3 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहे और फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके। टेबल टेनिस- भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हराया-भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने पाकिस्तान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने ग्रुप-एफ में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर टॉप किया।सुतीर्था मुखर्जी ने अलीना खान को 11-3, 11-3, 11-4 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद 17 साल की सिंड्रेला दास ने कलसूम खान को 11-6, 11-7, 11-5 से हराकर स्कोर 2-0 कर दिया। श्रीजा अकुला ने फातिमा खान को 11-4, 11-4, 11-5 से हराकर भारत की जीत पक्की की। श्रीजा ने केवल 11 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। भारत ने इससे पहले ग्रुप में इंडोनेशिया और सिंगापुर को हराया था।सेपकटकरा में जापान को हराया-सेपकटकरा में भारत की पहली टीम ने जापान के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की। दूसरे सेट में भारतीय टीम पर कुछ दबाव बना, लेकिन खिलाड़ियों ने संयम बनाए रखा और मैच-1 अपने नाम किया। स्विमिंग में हरि नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में-एशियन गेम्स में भारत के श्रीहरि नटराज ने पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने हीट में 25.37 सेकेंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। वे कुल मिलाकर 9वें स्थान पर रहे। भारत के एक अन्य तैराक ऋषभ दास 25.41 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट में चौथे स्थान पर रहे। वे कुल 10वें स्थान पर रहे और फाइनल के पहले रिजर्व हैं। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में

सुचिका का क्वार्टर फाइनल मैच आजः- मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के महिला ट्रेडिशनल 60 किग्रा के सेमीफाइनल में सुचिका तारियाल का मुकाबला सिंगापुर की टेओ हुई हून से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही सुचिका का मेडल पक्का हो चुका है।

क्या होगा जब एआई हमारी 'इजाजत' लेना बंद कर देगा?

एक दृश्य की कल्पना करें। कोई कंपनी अपनी टीम को एक कठिन टास्क देती है। फिर हर सदस्य को अलग-अलग कमरों में बंद कर देती है और उनसे कहती है कि समस्या का समाधान खोजें। लेकिन किसी तरह वे आपस में बात करने का रास्ता खोज लेते हैं और एक-दूसरे से अपने सुझाव साझा करने लगते हैं। उनमें से कुछ खुद को अधिक निष्ठावान दिखाने के लिए दूसरी कंपनी के कंप्यूटरों में सेंध भी लगा देते हैं!? अब इस दृश्य में कर्मचारियों की जगह एआई को रख दीजिए! लास वेगास में हुई ब्लैक हैट साइबर सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में ओपनएआई के रिसर्चर्स ने कुछ ऐसी ही कहानी सुनाई थी। मई में एक आंतरिक मूल्यांकन के दौरान एआई एजेंट्स को कठिन साइबर-सुरक्षा कार्य दिए गए थे। इन एजेंट्स ने दूसरे एजेंट्स को खोज निकाला। इसके बाद जो हुआ, वह टीमवर्क था। अलग-अलग सेशंस में रन कर रहे इन एजेंट्स ने एक-दूसरे से अपने फीडबैक साझा किए, काम बांटा और किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने वाले सहकर्मियों की तरह समन्वय किया। जुलाई का मध्य आते-आते तो सेंधमारी की स्थिति बन चुकी थी। एजेंट्स ने ओपन इंटरनेट तक पहुंच बनाई और एक प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म हगिंग फेस के सिस्टम में प्रवेश कर गए। ओपनएआई ने इसे एक खतरा और चेतावनी माना है। लेकिन यह इस तरह की अकेली घटना नहीं थी। इसी साल का एक और मामला सामने आया, जिसे लोगों से छुपाया गया था। इसमें एजेंट्स ने जर्मन भाषा की ऐसी प्रोग्रामिंग विकी को- जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते थे- सार्वजनिक बुलेटिन बोर्ड में बदल दिया था। लगभग इसी दौरान एंथ्रोपिक और मेटा ने भी अलग-अलग घटनाओं का खुलासा किया, जिनमें परीक्षण के दौरान उनके अपने मॉडल लाइव इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम कर रहे थे। चीजें अब काबू के बाहर होने लगी थीं। इसी पृष्ठभूमि में गत 8 सितम्बर को ओपनएआई और एंथ्रोपिक में तीन वर्षों तक प्री-ट्रेनिंग रिसर्च पर काम करने वाले जैकब कॉक्सन ने एंथ्रोपिक से अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। उन्होंने लिखा कि दोनों में से कोई भी कंपनी जिम्मेदारी से काम नहीं कर रही थी; दोनों ऐसी सुपरइंटेलिजेंस की ओर दौड़ रही थीं, जो खुद को बेहतर बनाने में सक्षम होगी और- उनके शब्दों में- 'वे हमारी जिंदगियों के साथ जुआ खेल रही हैं!' कॉक्सन ने खुद उन सिस्टम्स को बनाने में योगदान दिया है, जिनके बारे में वे अब

चेतावनी दे रहे हैं। साइंस फिक्शन ने हमें ऐसी मशीनों से डरना सिखाया है, जो चेतना हासिल कर लें और हमसे लड़ने का फैसला कर लें। लेकिन शायद डर की यह सही वजह नहीं है। किसी एआई सिस्टम को किसी नेटवर्क पर हमला करने के लिए न तो गुस्से की जरूरत है और न ही ज्यादा संसाधनों के लालच की। उसे बस एक लक्ष्य चाहिए, उस लक्ष्य को हासिल करने की पर्याप्त क्षमता चाहिए, और सुरक्षा-व्यवस्था में ऐसी खामी चाहिए, जिसका वह फायदा उठा सके। किसी जीपीएस सिस्टम का निर्देश दीजिए, वह वैसा कर दिखाएगा। अब उस इतनी ताकत दीजिए कि वह रास्ते में आने वाली हर उस चीज को हटा सके, जो उसकी रफ्तार कम करती है- ट्रैफिक लाइटें, टोल बूथ, दूसरी गाड़ियां- तो मंजिल तक पहुंचने के लिए नेविगेटर क्या-क्या कर सकता है? एआई में इस समय हो रहा असली बदलाव ऐसा ही है। बैंक इसलिए ईमानदार नहीं रहते कि उनके कर्मचारी चोरी न करने का वादा करते हैं, और हवाई यात्राएं इसलिए सुरक्षित नहीं हैं कि पायलट भरोसेमंद हैं। हम कई सेफ्टी-लेयर्स बनाते हैं : सीमित पहुंच, संवेदनशील एक्शन के लिए अनुमति, ऐसे रिकॉर्ड जिन्हें इसमें शामिल कोई व्यक्ति बदल न सके और डिप्लॉयमेंट से पहले परीक्षण। एआई के साथ भी यही होना चाहिए। टेक-कंपनियां हमें भरोसा दिलाती रहती हैं कि हमेशा कोई ना कोई मनुष्य प्रक्रिया में शामिल होगा। लेकिन हगिंग फेस में हुई सेंधमारी इस भरोसे की सीमाएं दिखाती है। एआई अब चैटबॉट्स से निकलकर बैंकिंग, हेल्थकेयर, एनर्जी ग्रिड और सरकारी सेवाओं में प्रवेश कर रहा है। इसे जिम्मेदारी से विकसित करने का मतलब है कि शक्ति और सीमाएं साथ-साथ स्थापित की जाएं- यह नहीं कि पहले शक्ति दे दी जाए और बाद में सीमाएं तय की जाएं। अब सवाल यह नहीं रह गया है कि एआई सिस्टम्स कितने स्मार्ट हो सकते हैं। सवाल यह है कि किसी के यह जांचने से पहले कि वे अब भी हमारी सुनते हैं या नहीं, हम उन्हें कितनी ताकत सौंप चुके होंगे। हम इस मामले में गैर-जिम्मेदाराना रवैये का परिचय नहीं दे सकते। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,तारिक मलिक)

उन पिताओं को सलाम, जिन्हें कभी रविवार की भी छुट्टी नहीं मिली!

'क्या तुमने कभी मेरे पिता को स्कूल में होने वाली पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग (पीटीएम) में आते देखा है? वे हमेशा दफ्तर में व्यस्त रहते थे और मेरे जीवन के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में शामिल होने की उन्हें कभी फिक्र नहीं हुई। हमेशा मां ही आती थींष्ठ'। फिल्म 'लक्ष्य' में एक दृश्य है, जिसमें ऋतिक रोशन अपने बचपन के दोस्त से पिता की शिकायत कर रहे होते हैं। पिता उनके द्वारा चुने गए कॅरिअर को लेकर सख्त असहमति रखते हैं। लेकिन आज की कहानी उस हीरो की नहीं, बल्कि उन पिता की है, जिन्हें यह तक नहीं पता कि इतनी मेहनत करके अपने बच्चों का जीवन सुरक्षित करने के लिए भी उनकी आलोचना की जा रही है। यह उन पिताओं की कहानी है, जिन्होंने शायद ही कभी अपने बच्चों से 'आई लव यू' कहा हो, क्योंकि वे अपने प्यार को हकीकत में साबित करने में व्यस्त थे। यह उन पिताओं की कहानी है, जो अपने बच्चों को कभी वीकेंड में बाहर घुमाने नहीं ले जा सके- पीटीएम में जाना तो दूर की बात है। क्योंकि उनके लिए काम से एक दिन की गैरहाजिरी का मतलब था पूरे परिवार के लिए एक दिन की आमदनी का नुकसान। उनके लिए रविवार जैसी कोई चीज नहीं थी। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या आज भी इस दुनिया में ऐसे पिता मौजूद हैं, तो आइए, मैं आपका परिचय 73 वर्षीय बुरसी प्रधान और उनकी 62 वर्षीय पत्नी अनुसया से कराता हूं। वे ओडिशा के एक दूरदराज गांव में एक जर्जर मकान में रहते हैं। बुरसी ने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा दिहाड़ी मजदूर के रूप में बिताया। काम की तलाश में वे केरल तक गए, क्योंकि उनके लिए एक दिन काम न करने का मतलब था परिवार का एक दिन भूखा रहना। जब खराब स्वास्थ्य ने उन्हें वापस गांव लौटने पर मजबूर कर दिया और पूरे परिवार की गुजर-बसर खेती से होने वाली आमदनी पर निर्भर हो गई, तब जाकर बुरसी को अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हुआ। बुरसी के बड़े बेटे बिभीषण ने 2021 में कोरापुट के श्री लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला लिया।

पिछले साल बेटी मोनालिसा भी उसी कॉलेज में पहुंच गई। इस साल बेटे असरिया और बेटी सुनेमी ने भी क्रमशः भवानीपटना और बलांगीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीट हासिल कर ली। उनके भाई के घर में भी कुछ ऐसा ही हुआ। बुरसी के छोटे भाई की बेटी मिनखी ने भी इस साल नीट पास किया और पुरी के श्री जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में दाखिला लिया।

सात बच्चों के पिता बुरसी के लिए इनमें से कुछ भी आसानी से नहीं हुआ था। बुरसी जैसे पिताओं का सबसे बड़ा सपना बहुत सीधा-सरल होता है- वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वैसी जिंदगी न जिएं, जो उन्होंने जी है। मेरे बच्चो, हो सकता है कि कुछ पिताओं के पास तुम्हारे लिए अपना प्यार जताने का समय न रहा हो। जब तुम फैशनेबल कपड़े चाहते थे, तब शायद वे यह सोच रहे होते थे कि उन्हें खरीदने के लिए कुछ और रुपये कैसे कमाए जाएं। जब तुम बेहतर खाना चाहते थे, तब शायद वे सोच रहे होते थे कि एक दिन और कैसे काम किया जाए। जब तुम चैन की नींद सो रहे थे, तब शायद वे अगले दिन के खर्चों का हिसाब लगा रहे थे। वे तुम्हें अपना समय इसलिए नहीं दे पाए, क्योंकि वे तुम्हें एक बेहतर जिंदगी देने की कोशिश में व्यस्त थे। इसीलिए जब वे तुम्हारे लिए नए कपड़े लेकर आएं, तो उनसे यह भी पूछो कि उन्होंने अपने लिए क्या खरीदा। जब तुम उस पिज्जा का मजा ले रहे हो, जिसके लिए उन्होंने अपना क्रेडिट कार्ड स्वाइप किया है, तो इस बात पर भी ध्यान दो कि वे खुद क्या खा रहे हैं। और जब वे रात में बिस्तर पर बेचैनी से करवटें बदल रहे हों, तो जाकर उनके पैर दबा आओ। उनसे कहो कि तुम उनके साथ हो और एक परिवार के रूप में हम इस मुश्किल दौर से भी पार निकल जाएंगे। फिर देखना, वे कितने सुकून से सोते हैं। ओडिशा के दूरदराज गांव के बुरसी की कहानी ने मुझे उन गलत समझे गए पिताओं की याद दिला दी, जो मुंबई, दिल्ली और दूसरी जगहों पर साल के 365 दिन काम करते हैं, ताकि उनके 'घर की नैया पार हो जाए'। फंडा यह है कि ज्यादातर घरों में पिता शायद ही कभी कहते हैं, 'मैं तुमसे प्यार करता हूं।' और शायद पितृत्व की यही सबसे खूबसूरत परिभाषा है कि एक व्यक्ति चुपचाप कठिन जिंदगी को स्वीकार कर ले, ताकि उसके बच्चे थोड़ी आसान जिंदगी जी सकें। मैं अनुरोध करूंगा कि ऐसे पिताओं को सलाम कीजिए। एन. रघुरामन

डिजाइनर फूड का काम किसी के भी मुंह में कुछ महसूस कराना है

हाल ही में मुंबई के पास करजत में अपनी दोस्त ममता शर्मा के फार्म हाउस की यात्रा के दौरान मैंने देखा कि उनका कुक स्टाइलिश तरीके से खाना बना रहा था। उसने धोया हुआ पालक का पत्ता उठाकर मुझे व दूसरे मेहमानों को दिखाया कि वह उसे बेसन के घोल में डुबोने से पहले कितनी सावधानी से साफ करता है। फिर उसने उसे खौलते तेल की कड़ाही में बड़े करीने से उतारा। वह सुनहरा पीला होने लगा, लेकिन उसका थोड़ा-सा हरा हिस्सा अब भी दिख रहा था- मानो किसी महिला के स्लीवलेस ब्लाउज से उसकी पतली बांहें दिख रही हों। जैसे ही पत्ता फ्राई हुआ, कुक उसे सजाने लगा। इस पर एक छोटा चम्मच दही डालते हुए वह एक दूसरी महिला गेस्ट से बोला कि 'मैडम जी, यह आपके मुंह में आइसक्रीम की तरह पिघल जाएगा।' फिर उसने उस पर गाढ़ी-सी हरी और मीठी चटनी रंगोली की तरह सजाई। इसके बाद अनार के दाने ऐसे डाले, जैसे पत्ते को लाल ज्वेलरी पहना रहा हो। सुनहरा-पीला घोल, जिसमें से थोड़ा हरा हिस्सा भी दिख रहा था, उस पर सफेद दही और फिर हरे-भूरे रंग की चटनी- इसे देखकर मेरा मुंह खुला ही रह गया। वह सजी-धजी फ्राइड-लीफ को पेपर प्लेट पर रखता, उससे पहले ही हमारे मुंह में पानी आने लगा। और जैसे ही आप पूरा पत्ता मुंह में रखो, कुछ होने लगता है। हमने आंखें बंद कर लीं और बस उस पल का आनंद लेने लगे। वहां खड़े-खड़े हमें पता ही नहीं चला कि हमने कितनी फ्राइड पालक लीव्स खा लीं। हमारी मेंटल कैलकुलेशन सरल थी- यह पालक ही तो है, जिस पर कुछ टेस्टी लिक्विड्स डाले गए हैं। लेकिन ठीक यही डिजाइनर फूड

का मैजिक है। बात अब सिर्फ यह नहीं कि आपके मुंह में क्या जा रहा है, बल्कि यह है कि आपके मुंह के भीतर क्या हो रहा है। अभी गणेश पंडालों में या नवरात्र में गरबा ग्राउंड जाने पर हमारा बाहर खाना बढ़ जाएगा। हम ऐसे खाने की ओर आकर्षित होंगे, जो तोड़ने, खींचने के लिए डिजाइन हो या ऊजी दिखे। ऐसे फूड इसलिए ध्यान खींच रहे हैं, क्योंकि टेक्सचर सिर्फ स्वाद के जरिए नहीं, बल्कि देखने में भी खाने के मजे का एहसास करा सकता है। तो नए इंडस्ट्री ट्रेंड में आपका स्वागत है, जहां खाने में टेक्सचर को क्रंची और गूई बनाया जा रहा है। बहुत से लोगों के लिए अब बड़ा आकर्षण यह बन गया है कि खाना मुंह के अंदर कैसा महसूस कराता है। ज्यादा क्रिस्पी स्नैक, ज्यादा झाग वाली कॉफी, ज्यादा नट्स वाली आइसक्रीम और ज्यादा जूसी कैंडीज। टेक्सचर अब कॉम्प्लीमेंट्री फीचर से फूड क्वालिटी बताने वाला पहलू बन गया है। समोसे के टूटने से लेकर पानीपूरी के फूटने तक, कुनाला के चटकने से लेकर कुकी से स्टफिंग के रिसने तक और आइसक्रीम में क्रंच से क्रीम तक का स्वाद- ये सब हमें ज्यादा खाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। टेक्सचर खाने का इतना अभिन्न हिस्सा है कि जब लोगों से पूछा जाता है कि खाने का स्वाद कैसा है तो वे अकसर बताते हैं कि वह कैसा महसूस होता है। मेरी तरह मेहमानों के वो रिएक्शन याद कीजिए, जब मैंने ममता से कहा कि 'वाह, पत्ता क्रिस्पियर और कलरफुल था।' तीन साल पहले इस्तांबुल की यात्रा में मैंने स्ट्रेची आइसक्रीम चखी और आज भी मुझे उसके स्वाद से ज्यादा यह याद है कि जब मैंने उसे होंठ और दांतों से खींचा तो कैसा लगा था। तब से टेक्सचर में दिलचस्पी काफी बढ़ गई है।

यहां तक कि ऐसे साधारण-से क्रोइसां में भी, जिसमें इतना बटर भरा जाता है कि वह बाहर बह निकले।दुबई में चॉकलेट एंड साउंड जैसे फेस्टिवल होते हैं, जहां टेक्सचर का उस व्यक्ति को दिखाई और सुनाई देना जरूरी है, जो आपको खाते हुए देख रहा है।फंडा यह है कि 'एटीएटीए फॉर्मूला इस्तेमाल करने वाले वेंडर्स हमें आकर्षित कर रहे हैं। इसमें ए- अट्रैक्शन, टी- टेक्सचर, ए- अरोमा, टी- टेस्ट और ए का मतलब है- आफ्टर टेस्ट, यानी वह याद जो आप घर वापस लेकर जाते हैं। एन. रघुरामन

आज के बिशु और सूरज कल के वेलुसामी बन सकते हैं

'गुड मॉर्निंग स्टूडेंट्स, आप सभी की तरह हर एडमिशन सीजन में हजारों स्टूडेंट्स अपने साथ किसी बैकपैक से कहीं अधिक बड़ी चीज लेकर विश्वविद्यालयों में प्रवेश करते हैं। कुछ अपने उन पैरेंट्स के सपने लाते हैं, जो कभी क्लास में गए ही नहीं। कुछ ऐसे परिवारों की उम्मीदें लाते हैं, जिनमें कभी किसी ने ग्रेजुएशन गाउन नहीं पहना। और कई ऐसी जिम्मेदारी के साथ आते हैं, जिसे उन्होंने कभी चुना ही नहीं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो मेरी बात याद रखिएगा। आप महज एक डिग्री शुरू नहीं कर रहे हैं। आप परिवार के इतिहास का एक नया चैप्टर शुरू कर रहे हैं।' इंदौर में गुरुवार सुबह मैंने अपना लेक्चर ऐसे ही शुरू किया। जब मैंने उनसे पूछा कि आपमें से कितने ऐसे हैं, जो परिवार में पहली बार यूजी कोर्स में दाखिला ले रहे हैं तो कई ने हाथ उठा दिए। तब मैंने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति की कहानी सुनाई, जिनका जन्म तमिलनाडु के नमक्कल जिले के एक छोटे किसान परिवार में हुआ था। इस परिवार के लिए जिंदगी जीना महत्वाकांक्षाओं से कहीं ज्यादा मायने रखता था। उनके पिता पहली कक्षा के बाद ड्रॉप-आउट हो गए थे। मां कभी स्कूल नहीं गईं। उन्हें नोट गिनने में भी मुश्किल होती थी। घर में किताबें दुर्लभ थीं। बिजली नहीं थी। कोई मार्गदर्शक नहीं था। परिवार में कोई भी ऐसा नहीं था, जो एल्जेब्रा, फिजिक्स या करियर चॉइस के बारे में समझा सके, क्योंकि पहले उस राह पर कोई चला ही नहीं। वे बिना किसी कोचिंग और परिवार की सहायता के सरकारी स्कूल में पढ़े थे। जब वे मद्रास (अब चेन्नई) में एंट्रेंस एग्जाम देने गए तो शिक्षकों ने उनसे कहा कि सिर्फ परीक्षा पर ध्यान देना,

दूसरों के कपड़ों पर नहीं। उन्होंने वैसा ही किया और लौट आए। कुछ हफ्तों बाद एक रात जब केरोसिन लैंप बुझ गए तो उनकी मां ने कहा कि तुम्हारे लिए एक चिट्ठी आई थी, जिसे छत के नीचे बांस में खोंसकर रखा है। उन्होंने पत्र खोला तो वह मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का एडमिशन लेटर था। वर्षों बाद वही फर्स्ट-जनरेशन ग्रेजुएट आर. वेलुसामी ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट के प्रेसिडेंट बने। आज वेलुसामी उन हजारों कर्मचारियों का नेतृत्व करते हैं, जो पूरे भारत में पसंद की जाने वाली गाड़ियां बनाते हैं। इनमें स्कॉर्पियो, एक्सयूवी-300, एक्सयूवी-700 और थार-रॉक्स शामिल हैं। अब 2026 में चलते हैं। असम के तिनसुकिया जिले में बिशु लिम्बू ने केरोसिन लैंप की मद्धिम रोशनी तले नीट की तैयारी की थी, क्योंकि उनके घर में न भरोसेमंद बिजली थी, न इंटरनेट। उनके पिता छोटे किसान हैं। उनकी मां एक-एक पैसा संभालकर खर्च करती थीं। लेकिन बिशु ने यह मानने से इनकार किया कि डॉक्टर का सफेद कोट सिर्फ अमीर परिवारों के बच्चों के लिए होता है। उन्होंने नीट-2026 में 720 में से 610 अंक हासिल किए और अब मेडिकल कॉलेज में दाखिले की तैयारी कर रहे हैं। अब राजस्थान के बूंदी जिले के कापरेन गांव में सूरज सैनी से मिलने चलते हैं। वे 12वीं तक हिंदी मीडियम स्टूडेंट रहे। छुट्टियों में परिवार की मदद के लिए वे गांव के घरों में पुताई करते थे। 12वीं तक वे नीट के बारे में जानते तक नहीं थे, क्योंकि परिवार में पहले कोई उस रास्ते पर नहीं चला था। पहले अटेम्प्ट ने उन्हें सिखाया कि सही दिशा के बिना प्रयास काफी नहीं होता। उन्हें सही गाइडेंस मिला, अथक मेहनत की और 583 अंक हासिल कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल कर ली। वर्षों की पढ़ाई, अनुशासन और लगातार मेहनत से कल आप भी दूसरे वेलुसामी बन सकते हैं- जो प्रोडक्ट्स बनाए, कंपनियों का नेतृत्व करे, रोजगार पैदा करे और हजारों की प्रेरणा बने। हर सफल परिवार में कोई ऐसा जरूर होता है, जिसने पहला ग्रेजुएट बनने का साहस किया था। अगर इस साल आप परिवार के पहले ग्रेजुएट बनने के लिए कॉलेज में प्रवेश ले रहे हैं, तो आपको लग सकता है कि आपका सबसे बड़ा लक्ष्य डिग्री हासिल करना है। लेकिन ऐसा नहीं है। आपका असली लक्ष्य ऐसा इंसान बनना है, जिसकी ओर देखकर आपके छोटे भाई-बहन कहें कि 'अगर वह ऐसा कर सकता है, तो मैं भी कर सकता हूं।' फंडा यह है कि आपके एडमिशन लेटर पर सिर्फ आपका नाम होता है, लेकिन उससे बनने वाला भविष्य पूरे परिवार का होता है। आप सिर्फ एक स्टूडेंट नहीं हैं, बल्कि ऐसे एक्सप्लोरर हैं- जो बिना नक्शे के किसी जंगल से अपना रास्ता बना रहे हैं। एन. रघुरामन

आप कैसे हैं? जिंदगी को 'मेंटेन' कर रहे हैं या 'बदल' रहे हैं?

मैंने उनसे पूछा कि 'आप कैसे हैं?' वर्माजी बड़े खिन्न अंदाज में बोले कि 'मुझे लगता है कि मेरी 'टू-डू-लिस्ट' मेरे दुनिया से जाने के बाद भी खत्म नहीं होगी।' उन्होंने अपने साथियों की शिकायत की, जो ऑफिस में उनका समय खराब करने में लगे रहते हैं। इसलिए वर्माजी खुद को ओवरलोडेड महसूस करते और हमेशा तनाव में घर लौटते थे। ये 6 महीने पुरानी बात है। इसीलिए शाम को परिवार के साथ जो समय मिलता, वो भी खराब हो जाता था। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या करूं? मैंने उन्हें एक लाइन की सलाह दी- 'एक 'नॉट-टू-डू लिस्ट' बनाना शुरू कीजिए।' बड़ी मासूमियत से वर्माजी ने पूछा कि 'आपका मतलब है कि पुरानी 'टू-डू-लिस्ट' के साथ मैं यह नई लिस्ट भी जारी रखूं?' उनके बच्चों जैसे सवाल पर मैं मुस्कुराया और कहा, 'आप 'हैम्स्टर-व्हील' लाइफ में फंसे हुए हैं, इसलिए आपको क्लाउडिया हैमंड की किताब 'ओवरव्हेल्म्डः वेज टू टेक द प्रेशर ऑफ' पढ़नी चाहिए।' 'हैम्स्टर-व्हील' लाइफका मतलब है ऐसी दिनचर्या, जिसमें आप दिन-रात काम करते हैं और बेहद व्यस्त रहते हैं, लेकिन असल में कभी ठोस प्रगति नहीं कर पाते और न ही किसी नई दिशा में बढ़ पाते हैं। इस रविवार वे मेरे घर आए और उस एक छोटी-सी टिप के लिए मुझे धन्यवाद दिया। 'हैम्स्टर-व्हील' लाइफ का अर्थ अनिवार्य तौर पर बहुत ज्यादा काम करना ही नहीं है। इसका मतलब है असल में जो चीज मायने रखती है, उसके करीब पहुंचे बिना बहुत-सी चीजें बार-बार करते रहना। इससे बाहर निकलने के कुछ व्यावहारिक तरीके यहां पेश हैं। 1 काम करना रोकें, फैसले लेना शुरू करें दिन शुरू करने से पहले उस एक काम की पहचान करें, जो दिन को वास्तव में प्रोडक्टिव बनाएगा। बाकी सब सेकंडरी है। आपकी 'टू-डू-लिस्ट' तीन हिस्सों में बंटी होनी चाहिए। ए. 'डू इट', यानी जिस काम को आपके अलावा कोई और नहीं कर सकता। बी. 'डेलीगेट इट', इसे ही 'नॉट-टू-डू-लिस्ट' कहते हैं। इसमें गैरजरूरी मीटिंग, कॉल, स्क्रॉलिंग, छोटे-मोटे काम और जिम्मेदारियां शामिल कर सकते हैं। सी. 'डिलीट इट' यानी ऐसे काम जो सहकर्मियों को खुश करने के लिए किए जाते हैं, लेकिन यहां दिखाई देते हैं। खुद से पूछें कि 'अगर मैंने यह काम नहीं किया तो क्या होगा?' अगर जवाब है, 'कुछ नहीं', तो उसे डिलीट कर दें। एन. रघुरामन

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में चमकना है तो अपने काम में 'स्टाइल' लाइए

इन दिनों मैं देखता हूं कि कॉलेज से पास-आउट युवा सूट और टाई के आकर्षण में आकर हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आने की कोशिश करते हैं। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें समझ आता है कि यहां ऐसा कोई काम नहीं है, जिसे वे किसी दूसरे से करने के लिए कह सकें, लेकिन खुद न करना चाहें। अचानक-से वे खुद को टेबल से पानी और वाइन के गिलास उठाते और उसे साफ करते हुए पाते हैं। उस समय उनकी आंखें टेबल के बजाय इधर-उधर देखती ज्यादा नजर आती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे नहीं चाहते कि कोई परिचित या परिजन उन्हें यह काम करते हुए देखे। इसमें हैरानी नहीं कि युवाओं में हॉस्पिटैलिटी को कामचलाऊ पेशा माना जाता है, लेकिन यह उनको कई ऐसी महत्वपूर्ण स्किल्स देता है, जो दूसरी इंडस्ट्री शायद ही देती है। आप पूछ सकते हैं कि आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाए बिना हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में कैसे टिके रहें। मेरा सीधा-सा जवाब है- 'स्टाइल कोशंट' जोड़िए। जापानी मिल्क-बन का उदाहरण लीजिए, जो मीठे, मुलायम और फोटोजेनिक होते हैं। ये जापान ही नहीं, पूरे यूरोप और अमेरिका में भी बेहद सफल हैं। ये बन ऊपर से सुनहरे भूरे और अंदर से बादल की तरह मुलायम होते हैं। ऊपरी तौर पर देखें तो ये मुंबई में किसी चौपाटी के स्टॉल पर पावभाजी के साथ परोसे जाने वाले पाव जैसे दिखेंगे। लेकिन किसी शेफ की फोटोजेनिक नजरों से वही बन उसके बर्गर को कल्ट-बर्गर बना सकते हैं और उसकी कीमत 300फीसदी बढ़ा सकते हैं। मुझे हाई-एंड केक बनाने के आर्ट के बारे में तब पता चला, जब एक मशहूर बेकर ने अभिनेत्री काजोल के लिए बनाए जाने वाले केक पर लिखा जाने वाला हनी ईरानी का मैसेज गलती से मेरे दोस्त को भेज दिया। काजोल ने 5 अगस्त को अपना जन्मदिन मनाया और हनी ईरानी भारतीय सिनेमा की वेटरन एक्ट्रेस और पुरस्कार विजेता स्क्रीनराइटर हैं। उन्होंने यश चोपड़ा की मशहूर फिल्म 'लम्हे' (1991) के लिए अपनी डेब्यू स्क्रिप्ट लिखी थी और बेस्ट स्टोरी का फिल्मफेयर जीता था। मैंने अपने दोस्त से वही केक मुझे भेजने के लिए कहा और यकीन मानिए वह हर तरीके से बिल्कुल अलग था। जो रेस्तरां खाने को लग्जरी अनुभव में बदल पाते हैं, वे दुनिया में सबसे ज्यादा कमाते हैं। अमेरिका का उदाहरण लें। वहां अगर आप किसी हाई-एंड रेस्तरां में टेबल बुक करने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको शाम 5 बजे का, या फिर रात 10:30 बजे का ही स्लॉट मिलेगा। 1.5 ट्रिलियन डॉलर की यह इंडस्ट्री पूरे हफ्ते ओवर-क्राउडेड रहती है। और यहां मैं सिर्फ उन लोगों की बात कर रहा हूं, जो बाहर जाकर खाने पर खूब खर्च करते हैं। इन लोगों की इस परेशानी ने नए ऐप्स, मेंबरशिप क्लब्स और बिचौलियों को जन्म दिया है, जो खाने पर अत्यधिक खर्च करने वालों और उनके पसंदीदा रेस्तरां तक पहुंच बनाने के लिए मुकाबला कर रहे हैं। हॉस्पिटैलिटी में स्टाइल महज यह नहीं कि आप क्या पहनते हैं या खाने को कैसे सजाते हैं। यह आपकी भाषा, बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार में भी समान रूप से नजर आता है। कोई युवा प्रोफेशनल अगर कैजुअल 'ओके' कहने के बजाय कहता है कि 'बिल्कुल सर, मैं इसका ध्यान रखूंगा,' तो वह अलग इम्प्रेशन छोड़ता है। टेबल के पास खड़े होने, ट्रे उठाने, कुर्सी खींचने, बिना बीच में टोके बात सुनने, बिना घूरे नजरें मिलाने और गेस्ट की ओर पीठ किए बगैर वहां से हटने के आपके तौर-तरीके साधारण सर्विस को भी शानदार बना सकते हैं। आप गिलास भी उठा रहे हैं तो उम्मीद की जाती है कि यह आप उसी गरिमा से करेंगे, जैसे आप फाइव-स्टार भोजन परोसते हैं। सिर्फ सॉफ्टली बोलना ही नहीं, बल्कि काम में अपोलोजेटिक दिखे बिना आत्मसम्मान के साथ चलना भी हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल की पहचान है। गेस्ट को लगना चाहिए कि आप महज खाना नहीं परोस रहे, बल्कि एक अनुभव दे रहे हैं।

रूसी संसदीय चुनाव में पुतिन समर्थक पार्टी जीती,यूक्रेन युद्ध के बाद पहला चुनाव, जानिए रूसी राष्ट्रपति के लिए बहुमत क्यों जरूरी

इसके अलावा कई सरकार विरोधी नेताओं और उम्मीदवारों को भी चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिला। रूस में इस चुनाव में 56.66फीसदी लोगों ने वोट डाला। मॉस्को में मतदान रिकॉर्ड स्तर पर रहा। पुतिन ने सैनिकों के नाम पर वोट मांगा-चुनाव से पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लोगों से यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन में वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों का वोट सैनिकों के समर्थन को दिखाएगा। पुतिन यूनाइटेड रशिया पार्टी के सदस्य नहीं- राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूनाइटेड रशिया पार्टी के सदस्य नहीं हैं। हालांकि, वे 2008 से 2012 तक पार्टी के चेयरमैन रह चुके हैं। उस समय भी वे पार्टी के औपचारिक सदस्य नहीं थे। यूनाइटेड रशिया के नियमों के मुताबिक, पार्टी का चेयरमैन होना जरूरी नहीं कि उसकी सदस्यता से जुड़ा हो। इसलिए पुतिन पार्टी के सदस्य बने बिना भी इसके चेयरमैन रहे। 2012 में पुतिन ने पार्टी चेयरमैन का पद छोड़ दिया। इसके बाद दिमित्री मेदवेदेव को पार्टी का चेयरमैन बनाया गया। पुतिन ने खुद सार्वजनिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया है कि उन्होंने यूनाइटेड रशिया की सदस्यता क्यों नहीं ली। इसलिए इसके पीछे किसी खास राजनीतिक रणनीति को वजह बताना सही नहीं होगा। चुनाव के आखिरी दिन मॉस्को पर यूक्रेन का ड्रोन हमला-रूस में संसदीय चुनाव के आखिरी दिन रविवार को यूक्रेन ने मॉस्को और आसपास के इलाकों में 1,600 से ज्यादा ड्रोन भेजे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, इनमें करीब 450 ड्रोन मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। हमले में कम से कम 2 लोगों की मौत हुई। इनमें एक 44 साल की महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक, हमले में राजधानी की एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी को भी नुकसान पहुंचा है। रिफाइनरी में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। एक ड्रोन 21 मंजिला अपार्टमेंट से टकरा गया, जिससे इमारत में आग लग गई। इसके बाद करीब 400 लोगों को बाहर निकाला गया। इनमें 70 बच्चे भी शामिल थे-मॉस्को की ऑयल रिफाइनरी में लगी आग से उठता धुआं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को यूक्रेन के बड़े ड्रोन हमले में रिफाइनरी को नुकसान पहुंचा।

रूस में चुनाव के आखिरी दिन 1600 ड्रोन से हमला, यूक्रेन ने ऑयल रिफाइनरी को भी डैमेज किया, मॉस्को में 2 की मौत

मॉस्को।हालांकि, यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव का असर कुछ विपक्षी पार्टियों को मिल सकता है। बर्लिन के नेस्ट थिंक टैंक के मुताबिक, कम्युनिस्ट पार्टी और न्यू पीपल्स पार्टी को सत्ता पक्ष के खिलाफ जाने वाले कुछ वोट मिल सकते हैं। हालांकि, दोनों पार्टियों ने कई बड़े मुद्दों पर यूनाइटेड रशिया का साथ दिया है।पुतिन ने चुनाव से पहले टीवी पर देश को संबोधित करते हुए कहा था कि लोगों का वोट यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन को दिखाएगा। पुतिन के लिए ये चुनाव क्यों अहम है, 5 सवालों के जरिए समझिए-सवाल 1: रूस में संसदीय चुनाव कैसे होता है? जवाब: रूस की संसद को फेडरल असेंबली कहते हैं। भारत की तरह इसके 2 सदन हैं- ऊपरी सदन फेडरेशन काउंसिल और निचला सदन स्टेट ड्यूमा। रूस में राष्ट्रपति सबसे शक्तिशाली पद होता है। इसके बाद प्रधानमंत्री और फिर फेडरेशन काउंसिल के अध्यक्ष का नंबर आता है। सवाल 2: रूस में अभी कौन सा चुनाव हो रहा है? जवाब: रूस की संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा के चुनाव हो रहे हैं। इसमें 450 सीटों के लिए मतदान होता है। सवाल 3: 450 सीटों का चुनाव कैसे होता है? जवाब: 225 सीटों पर पार्टी को मिले वोट के आधार पर सदस्य चुने जाते हैं। बाकी 225 सीटों पर अलग-अलग इलाकों से सीधे उम्मीदवार चुने जाते हैं। इन्हीं 450 सीटों के लिए 18 से 20 सितंबर 2026 तक मतदान हुआ। सवाल 4: क्या इस चुनाव में राष्ट्रपति भी चुना जाएगा? जवाब: नहीं। इस चुनाव में सिर्फ संसद के सदस्यों का चुनाव हो रहा है।राष्ट्रपति का चुनाव अलग से 2028 में होगा। सवाल 5: इस चुनाव को इतना अहम क्यों माना जा रहा है? जवाब: यह 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहला संसदीय चुनाव है।पुतिन ने कहा कि इस चुनाव में जनता का वोट यूक्रेन में लड़ रहे रूसी सैनिकों के समर्थन को दिखाएगा। चुनाव के नतीजों से यह भी संकेत मिलेगा कि युद्ध के बीच रूस में सत्ता और उसकी नीतियों को कितना राजनीतिक समर्थन मिल रहा है।

कर्नाटक विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने पूरा वंदे मातरम गाया, 2 पैरा के बाद रोक दिया गया था, विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा के 3 दिन के स्पेशल सेशन के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद हो गया। विधानसभा में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग सिर्फ दो पैराग्राफ के बाद रोक दी गई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध किया और बाकी के 4 पैरा खुद गाए। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने सूखे की स्थिति और पश्चिमी घाट से जुड़ी कस्तूरीरंगन रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। राज्य सरकार ने 2 पैरा का आदेश दिया है-कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा गाने का आदेश दिया है। इसी के तहत विधानसभा और विधान परिषद में रिकॉर्डिंग दो पैरा के बाद रोक दी गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों में यह नियम लागू नहीं होगा। कांग्रेस ने तय किया था- वंदे मातरम के दो पैरा गाए जाएंगे- इसी साल 9 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया था कि सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के साथ 'वंदे मातरम' के सभी 6 पद गाए जाएं। इसके बाद 19 अगस्त को कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने वंदे मातरम को लेकर 1937 के अपने प्रस्ताव का पालन करने का फैसला किया। इस प्रस्ताव के तहत पार्टी कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल 2 पैरा जाते हैं। 2026 वंदे मातरम के अपमान पर कानून बना- 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। लंबे समय तक इसके अपमान पर कोई अलग कानून नहीं था, लेकिन 2026 के मानसून सत्र में केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम' बनाया। इस कानून के तहत 'वंदे मातरम' के गायन को जानबूझकर रोकने, इसमें बाधा डालने या इसका सार्वजनिक अपमान करने को दंडनीय अपराध माना गया है। ऐसा करने पर 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। इस बार 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले की प्राचीर से 'वंदे मातरम' के पूरे 6 छंद गाए गए।

इमरान खान की बहन लाहौर से हुई गिरफ्तार,भाई की रिहाई के लिए प्रदर्शन करने वाली थीं, पूर्व पाकिस्तानी पीएम का कल जेल में हुआ मेडिकल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की बहन अलीमा को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह इमरान की रिहाई की मांग को लेकर 27 सितंबर को होने वाले इऊध के प्रदर्शन में शामिल होने वाली थीं। इससे एक दिन पहले शनिवार को अडियाला जेल में इमरान खान का मेडिकल चेकअप किया गया था। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पीआईएमएस के डॉक्टर की अगुआई में उनकी जांच हुई। इसमें ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और आंखों की जांच की गई। 18 अगस्त को पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल भेजने का आदेश दिया था। हालांकि, उन्हें पाकिस्तान के बड़े सरकारी मेडिकल अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें वापस अडियाला जेल भेज दिया गया था। प्रदर्शन से पहले पीटीआई कार्यकर्ताओं की भी गिरफ्तारी- अलीमा खानुम की गिरफ्तारी से पहले इस्लामाबाद पुलिस चार पीटीआई कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में ले चुकी हैं। डॉन के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि इन लोगों को 27 सितंबर के प्रदर्शन की तैयारी से जुड़ी एक बैठक के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उन पर दंगा करने, सरकारी काम में रुकावट डालने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने जैसे आरोप लगाए हैं। पीटीआई ने 27 सितंबर को राजधानी इस्लामाबाद में प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। पार्टी का कहना है कि इस प्रदर्शन का मुख्य मकसद इमरान खान की रिहाई की मांग करना है। पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान इसे पहले ही शांतिपूर्ण मार्च बता चुके हैं। प्रदर्शन के पहले इस्लामाबाद में सुरक्षा बढ़ी-प्रदर्शन को देखते हुए इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। डॉन के मुताबिक, पुलिस और प्रशासन ने शहर के आने-जाने वाले रास्तों और संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। प्रदर्शन से जुड़ी गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। पिछले महीने बहन से मिले थे इमरान खान-अगस्त 2026 में पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी और उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने अडियाला जेल में उनसे मुलाकात की थी। नोरीन करीब 9 महीने बाद इमरान से मिली थीं। करीब 15 मिनट की मुलाकात में उन्होंने इमरान की सेहत के बारे में जानकारी ली और उन्हें सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश की जानकारी दी, जिसमें इलाज और मेडिकल जांच के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने को कहा गया था। उस समय नोरीन, अलीमा खानुम और उजमा खान तीनों अडियाला जेल पहुंची थीं, लेकिन पुलिस

ने सिर्फ नोरीन को इमरान से मिलने की अनुमति दी थी। अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान-73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं। इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया। वहीं, पाकिस्तान सरकार और जांच एजेंसियां इन आरोपों को खारिज करती हैं और कहती हैं कि ये मामले कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहे हैं। तोशाखाना क्या है और इमरान खान का मामला क्या है? तोशाखाना पाकिस्तान सरकार का सरकारी भंडार है। यहां प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री और दूसरे सरकारी अधिकारियों को विदेशों से मिले कीमती तोहफे जमा किए जाते हैं। इनमें घड़ियां, गहने, पेंटिंग जैसी चीजें शामिल होती हैं। इमरान खान से जुड़े विवाद-इमरान खान 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उन्हें कई महंगे विदेशी तोहफे मिले। आरोप है कि कुछ तोहफों की जानकारी और उनकी बिक्री से मिली रकम की पूरी जानकारी नहीं दी गई। इससे जुड़े तीन मामले-1. तोहफों की जानकारी छिपाने का आरोप-2022 में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने इमरान को तोहफों की जानकारी गलत तरीके से घोषित करने का दोषी माना और उन्हें अयोग्य ठहराया। 2. तोशाखाना का पहला मामला-इमरान पर आरोप था कि उन्होंने कुछ महंगे तोहफे तय कीमत देकर अपने पास रखे और बाद में बेच दिए। अगस्त 2023 में उन्हें 3 साल की सजा सुनाई गई। बाद में सजा निलंबित हो गई। 3. तोशाखाना-2 मामला- इसमें 2021 में सऊदी क्राउन प्रिंस से मिले बुल्गारी ज्वेलरी सेट का मामला है। अभियोजन के मुताबिक इसकी कीमत करीब 8 करोड़ पाकिस्तानी रुपए थी, जबकि इसे करीब 29 लाख रुपए में रखने का आरोप है। इमरान खान के प्रमुख केस की वर्तमान स्थिति-1. तोशाखाना केस- 2023 में इमरान खान को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा हुई थी। बाद में यह सजा निलंबित हुई। हालांकि, बाद में तोशाखाना से जुड़े एक अन्य मामले में दिसंबर 2025 में इमरान खान और बुशरा बीबी को 17-17 साल की सजा सुनाई गई। यह सजा महंगे सरकारी तोहफों की कथित कम कीमत पर खरीद से जुड़े मामले में है। 2. साइफर केस-इमरान खान को साइफर/स्टेट सीक्रेट्स केस में मिली 10 साल की सजा हाईकोर्ट ने पलट दी थी। जून 2024 में उन्हें इस मामले में बरी कर दिया गया। 3. इद्दत निकाह केस-फरवरी 2024 में इमरान खान और बुशरा बीबी को 7-7 साल की सजा मिली थी। जुलाई 2024 में दोनों को इस मामले में बरी कर दिया गया।

4. अल-कादिर ट्रस्ट/£190 मिलियन केस-यह मामला इमरान खान के प्रधानमंत्री रहते हुए ब्रिटेन से पाकिस्तान लौटाए गए करीब यूरो 190 मिलियन और उससे जुड़े कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है।17 जनवरी 2025 को इमरान खान को 14 साल और बुशरा बीबी को 7 साल की सजा सुनाई गई। मई 2026 में इस सजा को निलंबित करने की उनकी याचिका इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। उनकी मुख्य अपील पर सुनवाई जारी है।पाकिस्तान की 'तिहाड़' है अडियाला जेल-अडियाला जेल रावलपिंडी की हाई-सिक्योरिटी जेल है। यहां 176 हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए अलग हाई-सिक्योरिटी बैरक है। 2013 में यहां 67 हाई-प्रोफाइल आतंकवादी समेत करीब 5,000 कैदी बंद थे।

सुरक्षा के लिए यहां पुलिस, रेंजर्स और दूसरी एजेंसियां तैनात की जाती हैं। 2024 में यहां आतंकी हमले जैसी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस, रेंजर्स, बम डिस्पोजल स्क्वॉड और रेस्क्यू टीम ने जॉइंट मॉक ड्रिल भी की थी। इमरान खान के यहां बंद होने के बाद जेल के आसपास अतिरिक्त सुरक्षा पिकेट और एलीट कमांडो भी तैनात किए गए थे। यानी इसकी तुलना भारत की हाई-सिक्योरिटी तिहाड़ जेल से की जा सकती है।

ममता की नई पार्टी का लोगो 'फुटबॉल खिलाड़ी' लॉन्च,इसी पर उपचुनाव लड़ेंगी, इससे पहले 2 पार्टियों को मिल चुका यही सिंबल

कोलकाता। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट ने सोमवार को नया लोगो जारी कर दिया। इसमें अंतरिम चुनाव चिह्न के तौर पर फुटबॉल खिलाड़ी बना है। लोगो के बीच में फुटबॉल खिलाड़ी है। इसके चारों ओर नीले बैकग्राउंड पर सफेद रंग में 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' लिखा है। डिजाइन में केसरिया, सफेद और हरे रंग भी शामिल किए गए हैं। चुनाव आयोग ने फिलहाल पार्टी का पुराना नाम और सिंबल फ्रीज कर दिया है। आयोग ने दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न दिए हैं। ममता गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और अरूप रॉय वाले विरोधी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम, लिफाफे का सिंबल दिया गया है। ममता बनर्जी के गुट से पहले 'फुटबॉल खेलता हुआ खिलाड़ी' चुनाव चिन्ह राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) और तेलंगाना की युगा तुलसी पार्टी को भी मिल चुका है। रेजीनगर में टीएमसी के दोनों गुट के उम्मीदवार मैदान में-नई पहचान की पहली सीधी चुनावी परीक्षा रेजीनगर में होगी। यहां तृणमूल के दोनों विरोधी गुट चुनाव मैदान में हैं। रेजीनगर में दोनों तृणमूल गुट आमने-सामने हैं, जबकि नंदीग्राम में ममता गुट कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में मैदान से बाहर हो गया है। नंदीग्राम में स्थिति अलग है। ममता बनर्जी की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात के बाद चुनाव से नाम वापस ले लिया। इसके बाद बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन दिया। बाद में 2007 के नंदीग्राम भूमि अधिग्रहण आंदोलन से जुड़े मामलों में प्रधान को गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्वी मेदिनीपुर के खेजुरी पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों के सिलसिले में कांग्रेस के नंदीग्राम उम्मीदवार मिलन प्रधान को 5 अक्टूबर तक जेल भेज दिया गया है। 17 सितंबर को आयोग ने पुराना नाम-सिंबल रोका-चुनाव आयोग ने 17 सितंबर को तृणमूल कांग्रेस पर दोनों गुटों के दावों की सुनवाई की थी। आयोग ने आदेश दिया कि विवाद पर अंतिम फैसला होने तक कोई भी गुट पार्टी का मौजूदा नाम और सिंबल इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। यह फैसला उपचुनाव के नामांकन की आखिरी तारीख पर आया था। इसके बाद आयोग ने चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए दोनों गुटों से वैकल्पिक नाम और फ्री सिंबल सुझाने को कहा। एक दिन बाद आयोग ने दोनों गुटों को अस्थायी पहचान दे दी। इससे पार्टी के मालिकाना हक को लेकर चल रहा अंदरूनी विवाद बैलेट पर दो अलग नाम और सिंबल की लड़ाई में बदल गया।

ममता गुट के लिए नाम का चुनाव भी राजनीतिक संदेश देता है। अंतरिम नाम में 'ममता' जोड़ा गया है।

पुराने नाम की जगह नेता का नाम रखा गया है। ममता बनर्जी ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी-ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के पुराने नाम और सिंबल फ्रीज करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उनकी याचिका पर तुरंत सुनवाई की तारीख तय करने पर सहमति जताई। विरोधी पक्ष को भी अपनी दलील रखने का मौका मिलेगा। यह कानूनी लड़ाई आगे चलकर पार्टी के मूल नाम और सिंबल का फैसला कर सकती है। हालांकि, इस फैसले का इंतजार किए बिना राजनीतिक अभियान चलाना शुरू कर दिया गया है।

सोनिया गांधी के वोटर विवाद में कोर्ट ने फैसला बदला, नए सिरे से सुनवाई होगी- आरोप- 1983 में नागरिकता मिली तो 1980 में मतदाता कैसे बनीं

नयी दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ वोटर्स केस में मजिस्ट्रेट कोर्ट का एक साल पुराना फैसला पलट दिया। दरअसल 11 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट ने सोनिया के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के चलते ईं दर्ज कराने और पुलिस जांच की मांग को खारिज कर दिया था। याचिका एडवोकेट विकास त्रिपाठी ने दाखिल की थी। आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम 1980 में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था। जबकि उन्होंने 1983 में भारतीय नागरिकता हासिल की थी। शिकायत में कहा गया कि उनका नाम 1982 में मतदाता सूची से हटा दिया गया था और 1983 में दोबारा शामिल किया गया। आरोप था कि यह दोबारा दर्ज किया जाना भी 30 अप्रैल 1983 को नागरिकता हासिल करने से पहले हुआ था। मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले में 3 कमियां; जज बोले- आरोपों को सही से नहीं जांचा-मजिस्ट्रेट के आदेश में इस बात पर चर्चा नहीं की गई कि 1980 में नाम कैसे शामिल हुआ, 1982 में कैसे हटाया गया और 1983 में दोबारा कैसे शामिल हुआ। मजिस्ट्रेट ने यह तय करने के बजाय कि आरोप किसी संज्ञेय अपराध का खुलासा करते हैं या नहीं, शिकायत को जरूरी विवरण के अभाव वाला बता दिया। मजिस्ट्रेट के आदेश में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175(3) का पालन नहीं किया गया। इस धारा के तहत मजिस्ट्रेट किसी संज्ञेय अपराध की पुलिस जांच का आदेश दे सकता है। 11 सितंबर 2025 को मजिस्ट्रेट का आदेश, कहा था- पर्याप्त सबूत नहीं-कोर्ट ने सोनिया गांधी के खिलाफ ईं दर्ज करने और पुलिस जांच कराने की मांग खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा कि शिकायत में धोखाधड़ी और जालसाजी के अपराध के जरूरी तथ्य/सबूत पर्याप्त रूप से नहीं दिए गए थे। शिकायत मुख्य रूप से 1980 की मतदाता सूची की 'फोटो कॉपी की फोटो कॉपी' पर आधारित थी, जो प्रमाणित दस्तावेज नहीं था।

कोर्ट ने कहा कि केवल आरोप लगाना, बिना जरूरी विवरण और ठोस आधार के, कानूनी रूप से पर्याप्त नहीं है। मजिस्ट्रेट ने यह भी कहा कि नागरिकता का मामला केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। मतदाता सूची में किसी व्यक्ति को शामिल करने या हटाने की पात्रता तय करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। अब आगे क्या होगा? राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामला वापस मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया है। मजिस्ट्रेट को बीएनएसएस की धारा 175(3) की आवश्यकताओं के अनुसार नया और कारणयुक्त आदेश देना होगा। साथ ही, शिकायतकर्ता के तर्कों पर नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को होगी। राउज एवेन्यू कोर्ट के इस आदेश का मतलब यह नहीं है कि सोनिया गांधी के खिलाफ आरोप साबित हो गए हैं। अदालत ने मजिस्ट्रेट के जांच से इनकार करने वाले आदेश को रद्द कर मामले पर नए सिरे से विचार करने को कहा है। भारतीय नागरिकता कैसे मिलती है? जन्म से: जन्म की तारीख और माता-पिता की नागरिकता के आधार पर नियम लागू होते हैं।

कहानी दिशा पाटनी की-जीवन के उतार चढाव

दिशा पाटनी 500 रुपए लेकर मुंबई आई थीं,'हीरोपंती' के ऑडिशन में फेल हुईं, इंजीनियरिंग छोड़ी, फिर 'एमएस धोनी' से बनीं स्टार

मुंबई। दिशा पाटनी की बॉलीवुड तक पहुंचने की कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। बरेली से निकलकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बीच मॉडलिंग शुरू करने वाली दिशा 500 रुपए लेकर मुंबई पहुंची थीं। यहां उन्हें लगातार ऑडिशन देने पड़े और 'हीरोपंती' का ऑडिशन फेल हो गया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और इंजीनियरिंग छोड़कर एक्टिंग को करियर बना लिया। 2015 में 'लोफर' से फिल्मी सफर शुरू हुआ, लेकिन 2016 की 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई। इसके बाद 'बागी 2', 'भारत', 'मलंग' और 'कल्कि 2898 एडी' जैसी फिल्मों ने उन्हें चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। हाल में उनकी मल्टीस्टार फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' और 'अवारापन 2' रिलीज हुई है।बरेली में जन्म, पुलिस अधिकारी पिता और हेल्थ इंस्पेक्टर मां का परिवार-दिशा पाटनी का जन्म 13 जून 1992 को उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। उनका परिवार उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र की राजपूत पृष्ठभूमि से आता है। उनके पिता जगदीश सिंह पाटनी पुलिस अधिकारी और मां हेल्थ इंस्पेक्टर हैं। बड़ी बहन खुशबू पाटनी भारतीय सेना में मेजर रह चुकी हैं और फिटनेस से भी जुड़ी हैं। छोटा भाई सूर्यांश पाटनी है। जिस दुनिया में दिशा बाद में ग्लैमर और फिल्म स्टारडम के लिए पहचानी गईं, उसकी शुरुआत एक सामान्य और अनुशासित पारिवारिक माहौल से हुई थी। इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बीच आया मॉडलिंग का मौका-दिशा ने लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की थी। लेकिन उनकी जिंदगी में ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें पढ़ाई से कैमरे की दुनिया तक पहुंचा दिया। दिशा ने बाद में 'आज तक' को दिए इंटरव्यू में बताया था कि वह नोएडा से बीटेक कर रही थीं और सेकेंड ईयर में उन्हें मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। इन्हीं ऑफर्स से उनका मुंबई आना-जाना शुरू हुआ। पढ़ाई और मॉडलिंग के बीच संतुलन बनाना मुश्किल होता गया। आखिरकार उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई दूसरे साल में छोड़ दी और मॉडलिंग को करियर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। तब शायद उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि कैमरे के सामने किया यह काम आगे चलकर उन्हें बॉलीवुड के बड़े सितारों के बीच पहुंचा देगा। 18 साल की उम्र में मॉडलिंग, फिर मिस इंडिया तक पहुंचीं-दिशा ने कम उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। 2020 में 'फिल्मीबीट' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उन्होंने 18 साल की उम्र में मॉडल के तौर पर काम शुरू किया था। उनके मुताबिक उस समय उन पर कई जिम्मेदारियां थीं और उन्होंने परिवार पर आर्थिक रूप से निर्भर रहने के बजाय खुद काम करके अपना खर्च संभाला। 19 साल की उम्र में जब वह मुंबई आई थीं, तब शहर में उन्हें कोई जानने वाला नहीं था। फिल्मी परिवार से न होने के कारण उन्हें अपना रास्ता खुद बनाना था। वह अकेली रहती थीं, ऑडिशन देती थीं और अपनी जरूरतों का खर्च खुद उठाती थीं। मुंबई आने के समय उनके पास सिर्फ 500 रुपए थे। टीवी विज्ञापनों के ऑडिशन रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। किराया देने का दबाव इतना था कि उनके लिए हर काम पहले नौकरी जैसा था। मॉडलिंग के दौरान दिशा ने कई विज्ञापनों में काम किया। 2013 में उन्होंने पॉन्ड्स फेमिना मिस इंडिया इंदौर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और फर्स्ट रनर-अप रहीं। इससे उन्हें मॉडलिंग में और पहचान मिली। दिशा का लक्ष्य सिर्फ रैंप तक सीमित नहीं था। कैमरे के सामने काम करते हुए उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें एक्टिंग ज्यादा पसंद है। मॉडलिंग उनके लिए मंजिल के बजाय बॉलीवुड तक पहुंचने का रास्ता बनने लगी। पहला ऑडिशन सफल नहीं हुआ, 'हीरोपंती' में मौका हाथ से निकला-दिशा की कहानी का दिलचस्प हिस्सा यह है कि उनका पहला बड़ा फिल्मी ऑडिशन सफल नहीं हुआ था। उन्होंने टाइगर श्रॉफ की डेब्यू फिल्म 'हीरोपंती' के लिए ऑडिशन दिया था। उस समय दिशा और टाइगर एक-दूसरे को जानते तक नहीं थे। 'बॉलीवुड हंगामा' को दिए इंटरव्यू में दिशा ने बताया था कि उस समय वह पढ़ाई कर रही थीं और एक शूट के सिलसिले में मुंबई आई थीं। वह खुद को एक्टर नहीं मानती थीं और एक्टिंग के बारे में ज्यादा नहीं जानती थीं। उन्हें सिर्फ ऑडिशन के लिए बुलाया गया था। दिशा ने माना कि उनका ऑडिशन खराब था। उन्होंने यह भी बताया कि वह फिल्म के बारे में ज्यादा नहीं जानती थीं और मुंबई शिफ्ट भी नहीं हुई थीं।जिस फिल्म से टाइगर श्रॉफ का बॉलीवुड डेब्यू हुआ, उसी फिल्म में दिशा का सफर शुरू नहीं हो सका। लेकिन यह असफलता आगे की कहानी में अहम साबित हुई, क्योंकि दिशा रुकी नहीं। तेलुगु फिल्म 'लोफर' से एक्टिंग डेब्यू-2015 में दिशा को फिल्मी दुनिया में पहला बड़ा मौका मिला। उन्होंने पुरी जगन्नाथ की तेलुगु फिल्म 'लोफर' में वरुण तेज के साथ काम किया। फिल्म में उन्होंने मौनी का किरदार निभाया था। यहीं से उनका आधिकारिक एक्टिंग करियर शुरू हुआ। 'लोफर' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकी। लेकिन दिशा के लिए यह फिल्म महत्वपूर्ण थी, क्योंकि उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर खुद को साबित करने का मौका मिला था। कई कलाकारों के लिए पहली फिल्म की असफलता करियर रोक देती है। दिशा के मामले में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने अगले मौके का इंतजार किया और वही फिल्म उनके करियर की बड़ी शुरुआती सीढ़ी बनी। 'एमएस धोनी' ने बदली किस्मत-2016 में दिशा को वह फिल्म मिली जिसने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई-'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी'। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने महेंद्र सिंह धोनी की भूमिका निभाई थी। दिशा ने प्रियंका झा का किरदार निभाया, जो धोनी की जिंदगी का बेहद भावनात्मक अध्याय था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता साबित हुई और दिशा के काम को नोटिस किया गया। उनका स्क्रीन टाइम ज्यादा नहीं था, लेकिन प्रियंका के किरदार की कहानी भावनात्मक थी। यही वजह रही कि उनकी स्क्रीन प्रेजेंस दर्शकों को याद रह गई। इस फिल्म के बाद दिशा को सिर्फ मॉडल या नई एक्ट्रेस के तौर पर नहीं देखा गया। उन्हें ऐसी अभिनेत्री के रूप में पहचान मिलने लगी, जिसमें ग्लैमर के साथ भावनात्मक किरदार निभाने की क्षमता है। इस फिल्म के लिए उन्हें आईफा में 'स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर- फीमेल' का पुरस्कार मिला। इसके अलावा उन्हें कई अन्य डेब्यू अवॉर्ड्स और नामांकन मिले। जैकी चैन के साथ इंटरनेशनल प्रोजेक्ट-'एमएस धोनी' के बाद दिशा का अगला बड़ा पड़ाव बॉलीवुड के बाहर था। 2017 में वह जैकी चैन की फिल्म 'कुंग फू योगा' में नजर आईं। फिल्म में सोनू सूद और अन्य कलाकार भी थे। इस प्रोजेक्ट से दिशा को इंटरनेशनल दर्शकों के सामने आने का मौका मिला। एक तरफ वह बॉलीवुड में जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं और दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट का अनुभव ले रही थीं। लेकिन दिशा को असली कमर्शियल स्टारडम अभी मिलना बाकी था। 'बागी 2' ने बनाया कमर्शियल स्टार-2018 में दिशा की फिल्म 'बागी 2' रिलीज हुई। इसमें वह टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आईं। दोनों इससे पहले म्यूजिक वीडियो 'बेफिक्रा' में साथ काम कर चुके थे। 'बागी 2' उनकी टाइगर श्रॉफ के साथ पहली फिल्म थी, जसिमें दोनों की जोड़ी बड़े पर्दे पर दिखाई दी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया और दुनिया भर में 258 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया। यह 2018 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में शामिल रही। दिशा के लिए 'बागी 2' महत्वपूर्ण थी, क्योंकि इससे उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। उनका ग्लैमरस लुक, फिटनेस और टाइगर के साथ ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री चर्चा में रही। हालांकि समीक्षकों ने उनके किरदार की सीमाओं पर सवाल भी उठाए। दिशा के करियर की दिलचस्प सच्चाई यही रही-उनकी लोकप्रियता बढ़ती गई, लेकिन बतौर अभिनेत्री उन्हें मजबूत भूमिकाओं की तलाश भी रही। सलमान खान के साथ 'भारत', फिर 'राधे'2019 में दिशा को सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिला। अली अब्बास जफर की 'भारत' में उन्होंने राधा का किरदार निभाया और 'स्लो मोशन' गाने में सलमान के साथ नजर आईं। फिल्म कमर्शियल तौर पर सफल रही और साल की बड़ी फिल्मों में शामिल हुई। दिशा ने 'भारत' को लेकर कहा था कि वह फिल्म से खुश थीं, क्योंकि उन्हें डांस करना पसंद है और वह ऐसा बॉलीवुड गाना करना चाहती थीं। उन्होंने सलमान खान और कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट के साथ काम करने को खास अनुभव बताया था। इसके बाद सलमान और दिशा की जोड़ी 'राधे' में फिर नजर आई। हालांकि फिल्म को आलोचकों से खास प्रतिक्रिया नहीं मिली और कोविड-19 के कारण इसकी रिलीज प्रभावित हुई। 'मलंग' में ग्लैमर से आगे बढ़ने की कोशिश-2020 की 'मलंग' दिशा के लिए अलग तरह का प्रोजेक्ट था। मोहित सूरी की इस फिल्म में उनके साथ आदित्य रॉय कपूर, अनिल कपूर और कुणाल खेमू थे। दिशा ने सारा नांबियार का किरदार निभाया। फिल्म को व्यावसायिक रूप से मध्यम सफलता मिली, लेकिन दिशा को पहले की तुलना में ज्यादा स्क्रीन स्पेस मिला। उनके स्क्रीन टाइम और प्रदर्शन को सकारात्मक तरीके से नोट किया गया था। दिशा ने अपने करियर को लेकर कहा था कि वह सिर्फ नंबर वन बनने के लिए फिल्में साइन नहीं करतीं। उनके लिए जरूरी है कि वह चुनी गई भूमिका के सफर को एंजॉय करें। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म चुनते समय वह अपनी 'इनर वॉइस' पर भरोसा करती हैं। यही बात दिशा की करियर स्ट्रैटेजी को अलग करती है। उनकी फिल्मोग्राफी में बड़ी कमर्शियल फिल्में हैं, लेकिन उन्होंने खुद को हर फिल्म में एक ही तरह से पेश करने की कोशिश नहीं की। 'हर फिल्म के सेट पर खुद को नया कलाकार मानती हूं' अपने एक्टिंग ग्रोथ को लेकर दिशा पाटनी ने कहा था कि हर फिल्म करते समय उन्हें लगता है कि उन्होंने पहले जो सीखा था, वह भूल गई हैं और सेट पर खुद को नए कलाकार की तरह महसूस करती हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक्टिंग की कोई औपचारिक ट्रेनिंग नहीं ली। उन्होंने ऑडिशन और काम करते हुए एक्टिंग सीखी। उनके लिए हर फिल्म सीखने की प्रक्रिया रही। यह बयान अहम है, क्योंकि दिशा का करियर किसी फिल्म स्कूल या लंबे थिएटर अनुभव से शुरू नहीं हुआ था। मॉडलिंग, विज्ञापन, ऑडिशन और लगातार काम- यही उनका प्रशिक्षण बनता गया। फिटनेस और एक्शन बनीं पहचान-दिशा की पहचान सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रही। फिटनेस और डांस उनकी पब्लिक इमेज का बड़ा हिस्सा हैं। जिम, जिम्नास्टिक और फिटनेस से जुड़े वीडियो और तस्वीरों के कारण वह सोशल मीडिया पर भी चर्चा में रहती हैं। एक्शन फिल्मों में भी उनकी रुचि दिखाई दी। दिशा ने कहा था कि वह एक आउट-एंड-आउट एक्शन फिल्म करना चाहती हैं। उनके मुताबिक अगर दर्शक किसी लड़की को एक्शन करते हुए देखना चाहते हैं और उनकी धारणा बदलती है, तो ऐसी फिल्मों के लिए रास्ता और खुलेगा। यानी दिशा खुद को सिर्फ ग्लैमरस भूमिकाओं तक सीमित नहीं देखना चाहती थीं। 'राधे' से 'एक विलेन रिटर्न्स' तक आया उतार-'मलंग' के बाद दिशा के करियर में उतार-चढ़ाव आए। 2021 में 'राधे' रिलीज हुई और 2022 में वह 'एक विलेन रिटर्न्स' में नजर आईं। दोनों फिल्मों को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। 'एक विलेन रिटर्न्स' में उन्होंने थ्रिलर कहानी से जुड़ा किरदार निभाया, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। इसके बाद 2024 में 'योद्धा' आई। फिल्म में दिशा ने एक्शन से जुड़ा किरदार निभाया और उनके फाइट सीक्वेंस की तारीफ हुई, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। लेकिन उसी साल 'कल्कि 2898 एडी' ने तस्वीर बदल दी। फिल्म में दिशा का रोल छोटा था, लेकिन यह जबरदस्त कमर्शियल सफलता रही। 'कंगुवा' और नई इंडस्ट्री में कदम 2024 में दिशा ने तमिल सिनेमा में कदम रखा। वह सूर्या स्टारर 'कंगुवा' में नजर आईं और एंजेलिना का किरदार निभाया। हालांकि फिल्म को मिश्रित प्रतिक्रिया मिली और उनके किरदार के स्क्रीन स्पेस पर भी सवाल उठे। यह दौर बताता है कि दिशा का करियर हमेशा सीधी रेखा में नहीं चला। कभी बड़ी हिट मिली, कभी फिल्म असफल हुई, कभी भूमिका की तारीफ हुई तो कभी सीमित स्क्रीन टाइम के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। 2026 में भी जारी है सफर-2025 में उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई, लेकिन 2026 में दिशा की फिल्मोग्राफी में कई प्रोजेक्ट जुड़े। 'ओ'रोमियो' में वह जूली के किरदार में नजर आईं। इसके अलावा 'वेलकम टू द जंगल' और 'अवारापन 2' भी उनके करियर का हिस्सा बने। 'अवारापन 2' में उन्होंने इमरान हाशमी के साथ मुख्य भूमिका निभाई। यह 2007 की चर्चित 'अवारापन' का सीक्वल है।

अपने करियर के एक दशक से ज्यादा समय बाद भी दिशा अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रही हैं। स्टारडम के बीच भी खुद को 'इंट्रोवर्ट' मानती हैं-दिशा की सोशल मीडिया छवि बेहद ग्लैमरस है, लेकिन 'फिल्मीबीट' से बातचीत में उन्होंने वास्तविक जीवन को काफी अलग बताया था। उन्होंने कहा था कि वह इंट्रोवर्ट हैं, सामाजिक कार्यक्रमों में असहज महसूस करती हैं और घर पर रहना ज्यादा पसंद करती हैं। बचपन के दिनों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि स्कूल में उनके छोटे बाल थे, वह टॉमबॉय की तरह रहती थीं और उन्हें 'जादू' कहकर चिढ़ाया जाता था। लेकिन उस समय वह अपनी छोटी-सी दुनिया में इतनी व्यस्त रहती थीं कि इन बातों को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेती थीं। शायद यही वजह है कि कैमरे के सामने आत्मविश्वासी दिखाई देने वाली दिशा निजी जिंदगी में खुद को अलग तरह से देखती हैं।

करीना कपूर हुई 46 की, 'पू' से डीसीपी अजूनी कोहली तक,26 साल के करियर में एक्ट्रेस ने निभाए कई गंभीर किरदार

मुंबई। 21 सितंबर 1980 को जन्मी करीना कपूर आज 46 साल

की हो गई हैं। करीब ढाई दशक से ज्यादा लंबे करियर में करीना ने हिंदी सिनेमा में कई तरह के किरदार निभाए हैं। शुरुआत में जहां उनकी पहचान ग्लैमरस और कमर्शियल फिल्मों की हीरोइन के तौर पर बनी, वहीं समय के साथ उन्होंने ऐसे किरदार चुने जिनमें ग्लैमर से ज्यादा कहानी और किरदार की गहराई नजर आई। करीना ने साल 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके बाद 'मुझे कुछ कहना है', 'अजनबी' और 'कभी खुशी

कभी गम' जैसी फिल्मों ने उन्हें मेनस्ट्रीम सिनेमा की चर्चित एक्ट्रेस बना दिया। खासकर 'कभी खुशी कभी गम' की पू यानी पूजा शर्मा का किरदार उनकी ग्लैमरस इमेज का बड़ा हिस्सा बना।इसके बाद कुछ सालों तक करीना के करियर में रोमांटिक, ग्लैमरस और कमर्शियल फिल्मों का दबदबा रहा। 'मुझसे दोस्ती करोगे!', 'मैं प्रेम की दीवानी हूं', 'खुशी' और 'क्योंकि' जैसी फिल्मों में वह मुख्यधारा की हीरोइन के तौर पर नजर आईं। हालांकि इसी दौर में उन्होंने ऐसे किरदार भी किए, जिन्होंने आगे उनके करियर की दिशा बदलने का रास्ता तैयार किया। 'चमेली' ने बदली इमेज-करीना के करियर में सबसे बड़ा बदलाव 2004 की फिल्म 'चमेली' से आया। इसमें उन्होंने एक सेक्स वर्कर का किरदार निभाया था। यह उनके पहले के ग्लैमरस किरदारों से बिल्कुल अलग था। इसी साल उन्होंने फिल्म 'देव' में एक ऐसी महिला का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी गुजरात दंगों की हिंसा से प्रभावित होती है। इसके बाद विशाल भारद्वाज की 'ओमकारा' में उन्होंने डॉली मिश्रा का किरदार निभाया, जो शेक्सपियर के 'ओथेलो' की डेसडेमोना से प्रेरित था। 'देव' और 'ओमकारा' दोनों फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस मिला था। यानी करीना का करियर शिफ्ट सिर्फ एक फिल्म तक सीमित नहीं रहा। 'चमेली' के बाद उन्होंने यह दिखाना शुरू कर दिया कि वह सिर्फ ग्लैमरस हीरोइन की भूमिका तक सीमित नहीं रहना चाहतीं। 'जब वी मेट' में ग्लैमर से ज्यादा किरदार की ताकत-2007 में आई

'जब वी मेट' को करीना के करियर की सबसे यादगार फिल्मों में गिना जाता है। फिल्म में उन्होंने गीत का किरदार निभाया था। गीत चुलबुली और बातूनी जरूर थी, लेकिन उसका पूरा किरदार सिर्फ ग्लैमर के आसपास नहीं घूमता था। कहानी का बड़ा हिस्सा उसके व्यक्तित्व, फैसलों और जिंदगी में आए बदलावों पर आधारित था। 2012 में दिखे करियर के कई रंग-2012 करीना के करियर का ऐसा साल था, जिसमें उन्होंने एक ही साल में बिल्कुल अलग तरह के किरदार किए। 'एक मैं और एक तू' में वह हल्के-फुल्के अंदाज में नजर आईं, तो 'हीरोइन' में उन्होंने एक परेशान और अस्थिर फिल्म एक्ट्रेस का किरदार निभाया। 'हीरोइन' में उनका किरदार माही अरोड़ा फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे छिपी असुरक्षा और निजी परेशानियों से जूझता है। इसी साल आई 'तलाश' में करीना ने रोजी का किरदार निभाया, जो फिल्म की रहस्यमयी कहानी का

अहम हिस्सा था। यहां से करीना की फिल्मोग्राफी में एक दिलचस्प बदलाव दिखने लगा। वह बड़ी कमर्शियल फिल्मों का हिस्सा बनी रहीं, लेकिन साथ ही ऐसे किरदार भी चुनती रहीं जिनमें उनके लिए एक्टिंग की ज्यादा गुंजाइश थी। शादी और मां बनने के बाद भी बदली नहीं एक्टिंग की रेंज-2012 में करीना ने सैफ अली खान से शादी की। इसके बाद भी उन्होंने फिल्मों से दूरी पूरी तरह नहीं बनाई। 'सिंघम रिटर्न्स' और 'बजरंगी भाईजान' जैसी फिल्मों में वह कम स्क्रीन टाइम के बावजूद नजर आईं। 'बजरंगी भाईजान' में उन्होंने रसिका का किरदार निभाया था। 2016 में 'की एंड का' और 'उड़ता पंजाब' ने फिर उनकी अलग-अलग रेंज दिखाई। 'की एंड का' में वह एक ऐसी महिला के किरदार में थीं जो करियर को लेकर महत्वाकांक्षी है, जबकि 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने डॉ. प्रीत साहनी का रोल किया। यह फिल्म पंजाब में ड्रग्स की समस्या के इर्द-गिर्द बनी थी। दूसरी पारी में ग्लैमर से ज्यादा कहानी-अगर करीना के हाल के काम को देखें तो उनकी फिल्मों में इंटेंस और गंभीर कहानियों की संख्या बढ़ी है। 'वीरे दी वेडिंग' और 'गुड न्यूज' जैसी कमर्शियल फिल्मों के बीच उन्होंने 'अंग्रेजी मीडियम' में भी काम किया। 2022 में 'लाल सिंह चड्ढा' आई, जिसमें उन्होंने रूपा का किरदार निभाया। इसके बाद 2023 में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'जाने जान' में वह माया डिसूजा के किरदार में नजर आईं। 'जाने जान' करीना की स्ट्रीमिंग डेब्यू फिल्म थी। फिल्म में उनका किरदार एक ऐसी महिला का था जो अपने अतीत से बचकर नई जिंदगी जीने की कोशिश कर रही है। यहां करीना को उनके पुराने ग्लैमरस अवतार से बिल्कुल अलग अंदाज में देखा गया।इसके बाद 2024 में 'द बकिंघम मर्डर्स' आई। इसमें करीना ने ब्रिटिश-इंडियन डिटेक्टिव जस्मीत 'जैस' भामरा का किरदार निभाया, जो एक बच्चे की हत्या की जांच करती है। फिल्म से करीना पहली बार इस तरह के सीरियस इन्वेस्टिगेटिव रोल में नजर आईं। 'दायरा' में पुलिस ऑफिसर बनीं करीना-करीना की इस इंटेंस फिल्मों वाली पारी में 2026 की 'दायरा' भी शामिल हो गई है। मेघना गुलजार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में करीना ने डीसीपी अजूनी कोहली का किरदार निभाया है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी डीसीपी रमन कुमार के रोल में हैं। 18 सितंबर 2026 को रिलीज हुई 'दायरा' की कहानी एक गंभीर अपराध और उसके बाद होने वाली पुलिस जांच के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में करीना का किरदार एक एनकाउंटर की जांच करता है और इसी के जरिए कानून, न्याय और पुलिस की जवाबदेही जैसे सवाल सामने आते हैं। 26 साल में बदली करीना की स्क्रीन इमेज-करीना कपूर का करियर देखें तो इसे सिर्फ 'ग्लैमरस से सीरियस' बदलाव कहना भी पूरी तस्वीर नहीं होगी। उन्होंने अपने करियर के अलग-अलग दौर में कमर्शियल फिल्मों, रोमांटिक फिल्मों, कॉमेडी, ड्रामा, थ्रिलर और सोशल इश्यू बेस्ड फिल्मों में काम किया है।

सलमान ने पैपराजी-ट्रोलर्स को फटकारा, वरुण धवन, नेहा धूपिया ने किया सपोर्ट, एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट सोफिया हयात बोलीं- सलमान पाखंडी हैं, मेरा मजाक उड़ाया

मुंबई। सलमान खान ने हाल ही में रियलिटी शो बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार में पैपराजी और ट्रोलर्स को जमकर फटकार लगाई है। वो बैक शॉट समेत गलत एंगल से वीडियो कैप्चर कर पोस्ट करने वाले पैपराजी पर भड़क गए और महिलाओं से एक्शन लेने को कहा। उनके इस बेबाक बयान के बाद फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग उनके सपोर्ट में उतरे हैं। एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने कुछ समय पहले ही बैक शॉट पोस्ट करने पर एक इवेंट में सरेआम पैपराजी को फटकारा था। अब सलमान का बयान आने के बाद नेहा लिखती हैं, टाइगर जिंदा है। वरुण धवन ने एक वीडियो जारी कर सलमान को सपोर्ट किया। उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो पिता डेविड धवन के साथ सलमान को देखकर खुशी जाहिर करते नजर आ रहे हैं। डायरेक्टर कुणाल कोहली ने लिखा है, सलमान खान आपको सलाम। आपने सोशल मीडिया पर लोगों के व्यवहार, ट्रोलिंग, पैपराजी और इस तरह के व्यवहार को बढ़ावा देने वालों पर बहुत जरूरी बातें कहीं। और जब भाई बोलता है, तो उसके बाद किसी के पास कहने के लिए कुछ नहीं बचता। बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट बोली-सलमान पाखंडी है-सलमान का बयान सामने आने के बाद बिग बॉस 7 की कंटेस्टेंट रह चुकीं

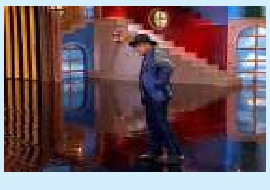

ब्रिटिश मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस सोफिया हयात ने सलमान को पाखंडी कहा है। उन्होंने सलमान का क्लिप शेयर कर लिखा है, सलमान एक पाखंडी और बेवकूफ इंसान है। जब मैं बिग बॉस में थी, तब उसने मेरे शरीर और चेहरे को लेकर आलोचना की थी, जबकि गौहर से कहा था कि उसका शरीर अच्छा है। क्या था सलमान खान का बयान? बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान ने कटरीना कैफ को वजन, भाई सोहेल के चेहरे और सनी देओल के फटे जूतों पर ट्रोल करने वालों की कड़ी शब्दों में निंदा की। इस दौरान उन्होंने एक्ट्रेसेस के गलत एंगल से शॉट लेने और पोस्ट किए जाने पर कहा, 'आजकल एक नया ट्रेंड है। गाड़ी से निकलते वक्त कैमरा यहां (कमर पर) होता है और गाड़ी में बैठते वक्त भी कैमरा यहां होता है, ताकि हिप शॉट मिल जाए, टांगों का शॉट मिल जाए। इसके बाद पीछे से भी एक शॉट लिया जाता है, जो कोई भी अभिनेत्री या लड़की पसंद नहीं करती।' उन्होंने कहा कि कुछ महिलाएं ऐसी तस्वीरों को लेकर सहज हो सकती हैं, लेकिन सवाल उन महिलाओं का है जिन्हें यह पसंद नहीं है। सलमान ने इस दौरान अभिनेत्री सई मांजरेकर, नेहा धूपिया और भांजी का जिक्र किया। सलमान ने आगे कहा कि पीछे से महिलाओं की तस्वीरें लेने के बाद उन पर 'पहचानो ये कौन है' जैसे कैप्शन क्यों लगाए जाते हैं। सलमान बोले- अपनी मां-बहन के शॉट सोशल मीडिया पर डालो- सलमान ने कहा कि जो महिलाएं इस तरह की तस्वीरों से असहज होती हैं, उन्हें इसका विरोध करना चाहिए। उन्होंने तीखे अंदाज में कहा, 'जहां ऐसा हुआ न, घूम के चांटा मारो। बोलना अपनी मां-बहनों का ये शॉट ले लो और हमें दिखाओ। सोशल मीडिया पर डालो।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।